वर्ष : 33 » अंक : 239 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, शुक्रवार, 15 नवंबर 2024 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

ओबीसी को बांटकर सत्ता हासिल करने में जुटा विपक्ष : पीएम मोदी

अमित बृज | छत्रपति संभाजीनगर/मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि वे ओबीसी को आपस में लड़ाकर सत्ता हासिल करने में जुटा है। उन्होंने दावा किया कि अगर कांग्रेस को सरकार में आने का मौका मिला, तो एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण रोक देगी। मोदी ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव में मुकाबला संभाजी महाराज को मानने वाले देशभक्तों और औरंगजेब का गुणगान करने वालों के बीच है।

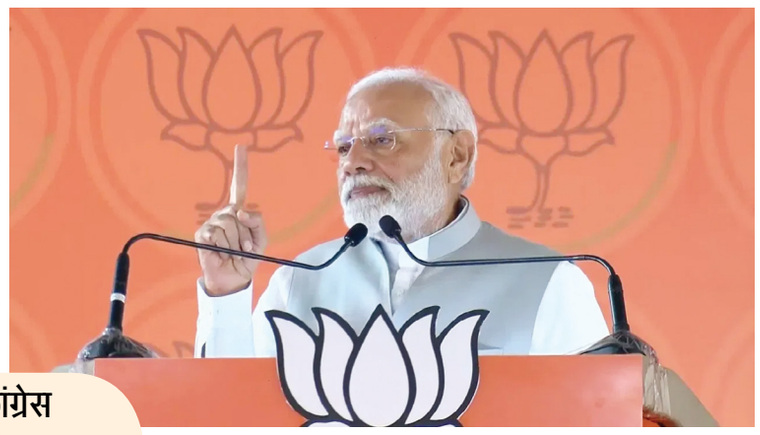

'ओबीसी समाज का प्रधानमंत्री कांग्रेस बर्दाश्त ही नहीं हो रहा '

राज्य में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए छत्रपति संभाजीनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, कांग्रेस की मानसिकता और एजेंडा अभी भी वही है, इसलिए पिछले 10 वर्षों से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समाज का प्रधानमंत्री इन्हें बर्दाश्त ही नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के नेता विदेश में जाकर खुलेआम बयान देते हैं कि वह आरक्षण को खत्म कर देंगे। अब अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए कांग्रेस और आघाडी वाले एससी, एसटी और ओबीसी समाज को छोटी-छोटी जातियों में बांटने का षड्यंत्र रच रहे हैं।

पीएम मोदी ने फिर चला औरंगजेब कार्ड

चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, महाराष्ट्र का यह चुनाव केवल नई सरकार चुनने का ही चुनाव नहीं है। इस चुनाव में एक ओर संभाजी महाराज को मानने वाले देशभक्त हैं और दूसरी ओर औरंगजेब का गुणगान करने वाले लोग हैं। कुछ लोग संभाजी महाराज के हत्यारे में अपना मसीहा देखते हैं। पूरा महाराष्ट्र जानता है कि छत्रपति संभाजीनगर को यह नाम देने की मांग शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे ने उठाई थी और ऐसा करके महायुति सरकार ने उनकी इच्छा पूरी की। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि औरंगाबाद को छत्रपति संभाजीनगर बनाने पर सबसे ज्यादा तकलीफ कांग्रेस और एमवीए को हुई।

'कांग्रेस कश्मीर के लिए अलग संविधान लाने की योजना बना रही'

मोदी ने कहा, क्या महाराष्ट्र के लोग कांग्रेस और पाकिस्तान की भाषा बोलने वाले उसके सहयोगियों का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा, कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने अनुच्छेद 370 को बहाल करने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया है। जब हमने कश्मीर को अनुच्छेद 370 से मुक्त किया तो कांग्रेस ने संसद और अदालत में इसका विरोध किया। अब वे फिर से अनुच्छेद 370 को बहाल करने और कश्मीर में एक अलग संविधान बनाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और हर भारतीय चाहता है कि कश्मीर में सिर्फ डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का संविधान हो।

'आघाड़ी वाले आपको बूंद-बूंद के लिए तरसाएंगे'

मराठवाड़ा क्षेत्र में पानी के संकट का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि आघाड़ी वालों ने लोगों की परेशानियों को बढ़ाने के अलावा कोई काम नहीं किया है। वह हमेशा हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे। उन्होंने कहा, हमारी सरकार में पहली बार सूखे के खिलाफ ठोस प्रयास शुरू हुए। उन्होंने कहा, ये आघाड़ी वाले सत्ता में आ गए तो आपको बूंद-बूंद पानी के लिए तरसाएंगे। आपसे अनुरोध है कि इन आघाड़ी वालों को घुसने ही मत देना।

'कांग्रेस ने गरीबों को लूटा'

पनवेल। पनवेल में एक अन्य रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने गरीबी हटाओ का नारा दिया लेकिन उसने गरीबों को ही लूट लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी की मानसिकता यह सुनिश्चित करने की है कि गरीब प्रगति न करे। उन्होंने कहा, वोट बैंक की राजनीति के मामले में कांग्रेस काफी आगे है, लेकिन वह गरीबों की दुश्मन है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को रोकने की बड़ी जिम्मेदारी गरीबों की है। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में पहली बार देश में गरीबों के हालात बदले हैं। पहली बार कोई सरकार 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाई है। मोदी ने इस रैली में भी एकजुट रहने का आह्वान करते हुए भीड़ से कहा कि वे भी एक हैं तो सेफ हैं का नारा दोहराएं ताकि समाज को बांटने की कोशिश करने वालों की नींद उड़ जाए।

महाराष्ट्र-गुजरात में 23 जगहों पर छापेमारी

दावा : फर्जी KYC से अकाउंट खोले, इनसे 125 करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ

धीरज सिंह | मुंबई

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने गुरुवार को मालेगांव के व्यापारी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच के तहत महाराष्ट्र और गुजरात में कई जगहों पर छापेमारी की। ED का दावा है कि व्यापारी ने 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का लेन-देन करने के लिए कई लोगों के बैंक खातों का दुरुपयोग किया है।

170 बैंक ब्रांच की जांच

पीएमएलए के तहत कार्रवाई

पीएमएलए के तहत हो रही इस कार्रवाई में महाराष्ट्र के मालेगांव, नासिक और मुंबई में और गुजरात के अहमदाबाद- सूरत में कुल 23 परिसरों की तलाशी ली जा रही है। छापेमारी महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में 2,500 से ज्यादा लेन-देन और करीब 170 बैंक शाखाएं जांच के दायरे में हैं। इन खातों से या तो पैसा जमा किया गया या निकाला गया है।

चुनावी फंडिंग और वोट जिहाद का आरोप

मामला मालेगांव में व्यापारी सिराज अहमद हारुन मेमन के खिलाफ पुलिस में दर्ज की गई FIR से जुड़ा है। शिकायतकर्ता वह व्यक्ति है जिसके बैंक खाते से अवैध लेनदेन किया गया था। आरोप है कि बैंक अकाउंट का इस्तेमाल चुनावी फंडिंग और वोट जिहाद के लिए किया गया था।

536 करोड़ 45 लाख रुपए की संपत्ति जब्त

मुंबई। राज्य और केंद्र सरकार की विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों ने अवैध धन, शराब, ड्रग्स, कीमती धातुओं आदि के खिलाफ कार्रवाई में 15 अक्टूबर से अब तक 536 करोड़ 45 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की है।

फडणवीस की पत्नी पर कन्हैया के बिगड़े बोल

ऐसा नहीं होगा कि हम धर्म बचाएं और डिप्टी सीएम की पत्नी इंस्टाग्राम रील्स बनाएं : कन्हैया

छिछोरों से कब मिलेगी आजादी : भाजपा

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कन्हैया कुमार ने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी पर विवादित टिप्पणी की है। कन्हैया कुमार ने कहा कि डिप्टी सीएम की पत्नी इंस्टाग्राम पर रील बनाएंगी और हम धर्म बचाएंगे, ऐसा नहीं होगा। कन्हैया कुमार के इस बयान पर तीखा विवाद शुरू हो गया है और भाजपा ने बयान पर हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि आखिर ऐसी सोच से आजादी कब मिलेगी। ऐसे छिछोरे लोगों से कांग्रेस आजादी कब पाएगी। उन्होंने कहा कि एक ऐसे शख्स ने महाराष्ट्र की बेटी के लिए घोर अपमानजनक टिप्पणी की है, जो आतंकियों और नक्सलियों का समर्थन करता है। कन्हैया कुमार ने नागपुर में कांग्रेस कैंडिडेट का प्रचार करते हुए कहा था, 'अगर ये धर्मयुद्ध है और धर्म को बचाने का सवाल है। जो भी नेता आपके सामने धर्म बचाने का भाषण देता है, उससे आप एक सवाल पूछिए कि इस लड़ाई में आपके बेटा और बेटी भी हमारे साथ चलेंगे ना।

'सहयोगी 'बंटेंगे तो कटेंगे' को समझ नहीं पाए'

अशोक चव्हाण, पंकजा मुंडे ने जताया था विरोध

मुनीब चौरसिया | मुंबई

'बंटेंगे तो कटेंगे' नारे पर डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को कहा कि यह नारा महाविकास अघाड़ी (MVA) के चुनावी कैंपेन का जवाब है। हमारे सहयोगी इस नारे का असल मतलब नहीं समझ पाएं हैं। उन्होंने कहा कि 'बंटेंगे तो कटेंगे' का असली मतलब है कि हमें साथ रहना है। पीएम मोदी ने संक्षेप में कहा है- 'एक हैं तो सेफ हैं।' इसका मतलब यह नहीं है कि हम मुसलमानों के खिलाफ हैं।'

अजित ने कहा था- ये UP-बिहार में चलता होगा

दरअसल, फडणवीस ने यह बात भाजपा नेता अशोक चव्हाण और पंकजा मुंडे के उस बयान के बाद कही, जिसमें दोनों ने आज कहा था कि 'बंटेंगे तो कटेंगे' का नारा महाराष्ट्र की जनता पसंद नहीं करेगी। इसकी कोई प्रासंगिकता नहीं है। इससे पहले महाराष्ट्र के डिप्टी CM और भाजपा-शिवसेना गठबंधन महायुति में शामिल अजित पवार ने 9 नवंबर को कहा था कि 'बटेंगे तो कटेंगे का नारा उत्तर प्रदेश और झारखंड में चलता होगा, महाराष्ट्र में नहीं चलेगा। मैं इसका समर्थन नहीं करता। हमारा नारा है- सबका साथ सबका विकास।'

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

कांग्रेस संविधान की रक्षा के लिए लड़ रही : राहुल गांधी

कांग्रेस नेता ने महाराष्ट्र के नांदेड़ और नंदूरबार में चुनावी रैलियों के दौरान भाजपा पर साधा निशाना

डीबीडी संवाददाता । नांदेड़/नंदूरबार

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि भाजपा संविधान को खत्म करने के लिए गुप्त तरीके से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि संविधान गरीब लोगों के अधिकारों की रक्षा करता है और कांग्रेस इसकी रक्षा के लिए लड़ रही है। राहुल गांधी ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और नांदेड़ लोकसभा सीट के उपचुनाव से पहले यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, प्रधानमंत्री ने भारत का संविधान पढ़ा होता तो वह अलग नीतियां अपनाते। उन्होंने कहा, संविधान हमें अमीर और गरीब के बीच भेदभाव करना नहीं सिखाता है। उन्होंने दावा किया, मोदी ने 25 अमीर लोगों का 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ कर दिया लेकिन गरीबों और किसानों का कर्ज नहीं माफ किया। उन्होंने कहा, संविधान आपको यह नहीं सिखाता।

'पीएम ने भारत के संविधान को नहीं समझा'

संविधान की लाल कवर वाली प्रति दिखाते हुए उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री कहते हैं कि यह किताब खाली है। क्या यह खाली है? उन्होंने भारत के संविधान को नहीं समझा है। यह देश की आवाज है। इसमें भारत की आत्मा और ज्ञान है। इसमें बिरसा मुंडा, बुद्ध, महात्मा फुले, डॉ. आंबेडकर, महात्मा गांधी जैसे राष्ट्र नायकों के सिद्धांत समाहित हैं। अगर आप पुस्तिका को कोरी कहते हैं, तो आप इन नायकों का अपमान करते हैं।

आदिवासियों के अपमान का आरोप लगाया

कांग्रेस नेता ने नंदूरबार में रैली के दौरान आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस आदिवासियों को आदिवासी के बजाय वनवासी कहकर उनका अपमान करते हैं। गांधी ने कहा, आदिवासी देश के पहले मालिक हैं और जल, जंगल और जमीन पर पहला अधिकार उनका है। लेकिन भाजपा चाहती है कि आदिवासी जंगल में ही रहें, उनके पास कोई अधिकार नहीं है। बिरसा मुंडा ने इसके लिए लड़ाई लड़ी थी और अपने प्राणों का बलिदान दिया था। उन्होंने जाति आधारित गणना की मांग दोहराते हुए कहा कि इससे आदिवासियों, दलितों और पिछड़े वर्गों की संख्या और संसाधनों में उनकी हिस्सेदारी का पता लगाने में मदद मिलेगी। उन्होंने सरकार में आदिवासी अधिकारियों के प्रतिनिधित्व का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, आदिवासी अधिकारी को अच्छे विभाग आवंटित नहीं किए जाते। हमें इसे बदलना होगा। राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि महाराष्ट्र से पांच लाख नौकरियां छीन ली गई हैं क्योंकि विभिन्न बड़ी परियोजनाएं अन्य राज्यों में स्थानांतरित कर दी गई हैं। उन्होंने कहा, हमारी सरकार इसकी अनुमति नहीं देगी।

मशहूर सिंगर संजय चक्रवर्ती गिरफ्तार

नाबालिग छात्रा का यौन उत्पीड़न करने का आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

गायक और संगीतकार संजय चक्रवर्ती को मुंबई में नाबालिग छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वह पंडित अजय चक्रवर्ती के भाई हैं। कोलकाता पुलिस ने उन्हें मुंबई से गिरफ्तार किया और उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर कोलकाता लाया गया। इसके बाद संजय को अलीपुर कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के बाद जज ने उन्हें 18 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया। कोलकाता पुलिस ने संगीतकार संजय चक्रवर्ती के खिलाफ पॉक्सो (बाल यौन शोषण रोकथाम अधिनियम) के तहत मामला दर्ज किया है। कोलकाता पुलिस के साउथ डिवीजन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, ₹हमने मुंबई पुलिस की मदद से उन्हें गिरफ्तार किया। बताया गया है कि कुछ दिन पहले पीड़ित नाबालिग छात्रा के परिजनों ने उत्तर 24 परगना जिले के बेलघरिया थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। कोलकाता पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, यह जीरो एफआईआर है। बाद में उस एफआईआर को बैरकपुर सिटी पुलिस ने कोलकाता पुलिस को भेज दिया था। जीरो एफआईआर के आधार पर चारु मार्केट थाने की पुलिस ने जांच शुरू की। बाद में पुलिस ने आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया। कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पीड़ित किसी भी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करा सकता है, चाहे अपराध किसी भी क्षेत्राधिकार में हुआ हो।

निगम पार्षद के घर पर आगजनी के मामले में दो लोगों को 10-10 साल की जेल

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र में ठाणे सत्र अदालत ने निगम पार्षद के घर में आगजनी कर अंदर मौजूद लोगों की हत्या करने के मामले में दो दोषियों को 10-10 साल के कारावास की सजा सुनाई है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश जीजी भंसाली ने 13 नवंबर को जारी अपने आदेश में युनेब नासिर केवल (30) और आसिफ अनवर खान (35) पर तीन-तीन हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। अतिरिक्त लोक अभियोजक (एपीपी) राखी पांडे ने कहा कि स्थानीय निगम पार्षद जुबेर इनामदार नशे और शराब के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए इलाके में बैठकें कर रहे थे और तीन फरवरी, 2018 को हुई आगजनी की घटना इसी अभियान का नतीजा थी। पांडे ने कहा कि दोनों ने उस वक्त इनामदार के घर में आग लगाने की कोशिश की, जब निगम पार्षद और उनकी दो बेटियों सहित उनके विभिन्न परिजन उस दिन तड़के 3:30 बजे घर के अंदर सोए हुए थे। उनके अनुसार, दोनों ने इनामदार के घर के दरवाजे पर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। एपीपी ने कहा कि केवल और खान पर भारतीय दंड संहिता के तहत हत्या के प्रयास और अन्य अपराधों का आरोप लगाया गया है। पांडे ने कहा, ''न्यायाधीश ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य पर भरोसा किया। अभियोजन पक्ष के 23 गवाहों से पूछताछ की गई।''

महाराष्ट्र बीते वर्षों में गलत हाथों में चला गया : शरद पवार

पुणे के चिंचवड में पार्टी उम्मीदवार राहुल कलाटे के समर्थन में किया चुनाव प्रचार

डीबीडी संवाददाता । पुणे

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने गुरुवार को दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों में महाराष्ट्र गलत हाथों में चला गया है। राज्य की स्थिति खराब हो गई है।

कलाटे के समर्थन में रोड शो

वह अपनी पार्टी के उम्मीदवार राहुल कलाटे के समर्थन में चुनाव प्रचार करने के लिए पुणे जिले के चिंचवड विधानसभा क्षेत्र में थे। कलाटे 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा के शंकर जगताप के खिलाफ मैदान में हैं। पवार ने कलाटे के समर्थन में एक रोड शो किया और एक जनसभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र कभी देश में पहले स्थान पर था, लेकिन हाल के दिनों में यह गलत हाथों में चला गया है, जिससे राज्य की स्थिति खराब हो गई। राकांपा (एसपी) अध्यक्ष ने कहा कि चिंचवड निर्वाचन क्षेत्र में बुनियादी ढांचे का भी अभाव है। पुणे के निकट स्थित पिंपरी-चिंचवड इलाका एक औद्योगिक केंद्र है।

भगवान गणेश की फोटो पर चिपकाया कांग्रेस प्रत्याशी का पोस्टर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

सियासी उठापटक के बीच मुंबई के अंधेरी से एक विवादित मामला सामने आया है। यहां अंधेरी पूर्व के चांदीवली सीट से कांग्रेस प्रत्याशी नसीम खान का एक पोस्टर मकान में भगवान गणेश की तस्वीर के ऊपर चिपका दिया गया, जिसके बाद से बवाल खड़ा हो गया है। यहां स्थानीय लोग आक्रोशित दिखाई दे रहे हैं तो वहीं इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि घर के गेट पर ऊपर गणपति की तस्वीर और शुभ लाभ लिखा हुआ है। भगवान गणेश की फोटो पर कांग्रेस प्रत्याशी नसीम खान का पोस्टर चिपका दिया। पोस्टर देखने के बाद स्थानीय लोगों में गुस्सा फूट पड़ा है। वीडियो में लोग मराठी में बात करते हुए नजर आ रहे हैं। बीजेपी के अमित मालवीय (Amit Malviya) ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा है। अमित मालवीय ने लिखा महाराष्ट्र में हिंदू समुदाय का अपमान करते हुए चांदीवली में नसीम खान के लिए प्रचार कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गणपति बप्पा की तस्वीर पर उनका पोस्टर चिपका दिया। गणपति बप्पा को विघ्नहर्ता के रूप में पूजा जाता है और महाराष्ट्र के लोगों के साथ-साथ अन्य लोगों का भी इस देवता से गहरा भावनात्मक लगाव है।

महाराष्ट्र चुनाव से पहले कई रूट पर प्राइवेट बसों के किराए में इजाफा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राज्य के अलग-अलग रूट पर चलने वाली प्राइवेट बसों का किराया बढ़ा दिया गया है। जानकारी के मुताबिक हजारों मतदाता आगामी विधानसभा चुनावों में वोट करने के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र वाली जगह पर जाने की योजना बना रहे हैं, इसी वजह से भीड़ को देखते हुए किराए में इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रैवल बुकिंग एजेंटों और बस ऑपरेटरों ने बताया कि मुंबई और पश्चिमी महाराष्ट्र, कोंकण, मराठवाड़ा और उत्तरी महाराष्ट्र को जोड़ने वाली रूट पर टिकट की कीमतें 19 और 20 नवंबर के लिए लगभग दोगुनी हो गई हैं।

महाराष्ट्र चुनाव से पहले प्राइवेट बस का किराया दोगुना

दादर के एक ट्रैवल बुकिंग एजेंट ने बताया कि दिवाली के बाद मुंबई-कोल्हापुर जैसे रूटों पर टिकट दरें 500 से 700 रुपये तक कम हो गई थीं, लेकिन चुनाव से पहले लगभग दोगुनी हो गई हैं। प्राइवेट बस ऑपरेटरों के संगठन के नेता हर्ष कोटक ने कहा, ₹मतदान के दिन विदर्भ क्षेत्र को छोड़कर, लगभग 5,000 निजी बसों के महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में पहुंचने की उम्मीद है। मतदान के दिन की पूर्व संध्या पर, ये बसें रत्नागिरी, दापोली, लांजा, महाड, राजापुर, कोल्हापुर, गढ़िंगलाज, जलगांव, धुले, बीड, पराली, लातूर, मलकापुर, छत्रपति संभाजीनगर और नासिक जैसे गंतव्यों के लिए रवाना होंगी। यही बसें प्रवासियों को मुंबई वापस भी लाएंगी।' बस ऑपरेटरों और बुकिंग एजेंटों के मुताबिक इनमें से अधिकांश बसों की व्यवस्था या तो उम्मीदवारों या उनके संबंधित राजनीतिक दलों की ओर से की गई है। उन्होंने कहा, 'हालांकि, बड़ी संख्या में लोग वोट डालने के लिए अपनी व्यक्तिगत क्षमता से अपने मूल स्थानों की यात्रा भी कर रहे हैं। एक बस ऑपरेटर ने कहा, 'ज्यादातर, 19 नवंबर और 20 नवंबर के लिए ग्रुप बुकिंग है।'

नासिक में भाजपा और शरद पवार की पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

डीबीडी संवाददाता । नासिक

भारतीय जनता पार्टी और शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (शरदचंद्र पवार) के कार्यकर्ताओं के बीच 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र चुनावों के सिलसिले में बृहस्पतिवार को नासिक में झड़प हो गई जिसके बाद दोनों समूहों ने पुलिस से संपर्क किया। हालांकि अधिकारियों ने बताया कि औपचारिक तौर पर कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। यह विवाद दोपहर करीब साढ़े 12 बजे पंचवटी क्षेत्र में उस समय शुरू हुआ जब भाजपा उम्मीदवार राहुल ढिकले के समर्थकों ने एक व्यक्ति को पकड़ लिया और दावा किया कि वह राकांपा (शरदचंद्र पवार) की ओर से पैसे बांट रहा है। हालांकि, राकांपा (शरदचंद्र पवार) उम्मीदवार गणेश गीते के भाई गोकुल गीते ने इन आरोपों का खंडन किया कि पकड़ा गया व्यक्ति उनकी पार्टी का है, जिसके कारण दोनों समूहों के बीच मौखिक झड़प और नारेबाजी हुई। पुलिस उपायुक्त किरणकुमार चव्हाण ने तनाव कम करने के लिए दोनों समूहों से बात की। गणेश गीते ने नासिक पुलिस आयुक्त संदीप कार्णिक से भी मुलाकात की, जबकि ढिकले और उनके समर्थक स्थानीय पुलिस थाने पहुंचे।

18 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेजा गया आरोपी वकील

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

शाहरुख को जान से मारने की दी थी धमकी

शहर की एक अदालत ने अभिनेता शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी देने के आरोपों को लेकर गिरफ्तार छत्तीसगढ़ के एक वकील को बृहस्पतिवार को 18 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। मुंबई पुलिस ने आरोपी वकील फैजान खान को मंगलवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से गिरफ्तार किया था। छत्तीसगढ। की एक अदालत से आरोपी की ट्रांजिट रिमांड लेकर उसे यहां लाया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को आरोपी को यहां बांद्रा की एक अदालत में पेश किया और मामले में जांच के लिए उसकी सात दिन की रिमांड का अनुरोध किया। आरोपी के अधिवक्ताओं अमित मिश्रा और सुनील मिश्रा ने कहा कि कथित घटना से पहले फैजान खान का फोन चोरी हो गया था। उन्होंने दलील दी कि उनके फोन से धमकी भरी कॉल करना उनके खिलाफ साजिश है क्योंकि उन्होंने शाहरुख की फिल्म 'अंजाम' (1994) में हिरनों के शिकार को लेकर उनके एक संवाद पर अभिनेता के खिलाफ मुंबई पुलिस में पहले एक शिकायत दर्ज कराई थी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को 18 नवंबर तक पुलिस की हिरासत में भेज दिया। बांद्रा थाने में पांच नवंबर को एक फोन आया था और कॉल करने वाले ने शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी देते हुए 50 लाख रुपये मांगे थे। शाहरुख खान का घर बांद्रा इलाके में है। इसके बाद अज्ञात कॉलर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 308(4) (मृत्यु या गंभीर चोट की धमकी सहित जबरन वसूली) और 351(3)(4) (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया गया। फोन करने वाले की पहचान बाद में फैजान खान के रूप में की गई और उसके रायपुर में होने का पता चला। फैजान खान ने अपनी गिरफ्तारी से पहले संवाददाताओं से कहा था कि दो नवंबर को उसका फोन चोरी हो गया था और उसने इस सिलसिले में शिकायत दर्ज कराई थी।

महाराष्ट्र चुनाव सुशासन के एजेंडे और भ्रष्टाचार की नीति के बीच : सिंधिया

डीबीडी संवाददाता । नांदेड़

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव मौजूदा महायुति सरकार के सुशासन के एजेंडे और विपक्षी एमवीए की भ्रष्टाचार की नीति के बीच युद्ध है। भाजपा के शीर्ष नेताओं के चुनावी नारों बंटेंगे तो कटेंगे और एक हैं तो सेफ हैं पर उन्होंने कहा कि इन नारों का उद्देश्य देश के लोगों को देशभक्ति के माध्यम से प्रगति हासिल करने के लिए एकजुट करना है। सिंधिया ने बुधवार को नांदेड़ के मालेगांव में भोकर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया चव्हाण और नांदेड़ लोकसभा उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार संतूकराव हंबडे के प्रचार के लिए आयोजित एक रैली से इतर बातचीत की।

गडकरी रंगायतन के चल रहे कार्य को समय पर पूरा करने के लिए मनपा आयुक्त सौरभ राव ने दिया निर्देश

धर्मेंद्र उपाध्याय । ठाणे

शहर में स्थित राम गणेश गडकरी रंगायतन नाट्यगृह का कार्य बड़े पैमाने पर चल रहा है। ठेकेदार को समय पर कार्य को पूर्ण करने के लिए मनपा आयुक्त राव ने निर्देश दिया। साल 1978 में बने रंगायतन के दुरुस्तीकरण का कार्य 1998 में किया गया था। अब 26 साल बाद फिर से दुरुस्तीकरण का कार्य चल रहा है।अक्टूबर महीने से दुरुस्तीकरण का कार्य शुरू हुआ था, जो 90 दिन के भीतर कार्य को पूरा करना है। इस दौर के दौरान अतिरिक्त आयुक्त संदीप मालवी, नगर अभियंता प्रशांत सोनाग्रा, उपायुक्त उमेश बिरारी, उपनगर अभियंता विकास ढोले व शुभांगी केसवानी, कार्यकारी अभियंता भगवान शिंदे आदि उपस्थित थे।आयुक्त राव ने मुख्य रंगमंच, प्रेक्षागृह, प्रवेशद्वार के कार्य का निरीक्षण किया और आधुनिक तकनीक से करने के लिए कहा साथ ही स्पीकर, एयरकंडीशन के दुरुस्तीकरण लाइट आदि का कार्य करने के लिए भी निर्देश दिया।

शिवसेना सांसद देवड़ा ने एमवीए पर साधा निशाना

विकास में बाधा डालने का लगाया आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के हिंदुत्व के एजेंडे को लेकर अजित पवार नीत राकांपा में बढ़ती असहज स्थिति के संकेतों के बीच शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने कहा कि सत्तारूढ़ महायुति में कोई गतिरोध नहीं है। वर्ली विधानसभा सीट पर शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे के खिलाफ किस्मत आजमा रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री देवड़ा ने विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन पर निशाना साधा और उस पर मुंबई और महाराष्ट्र में विकास परियोजनाओं में अवरोध पैदा करने का आरोप लगाया। राज्यसभा सदस्य देवड़ा ने कहा कि महाराष्ट्र के मतदाता संविधान खतरे में होने के एमवीए के झूठे विमर्श को खारिज कर देंगे। उन्होंने कहा, ''महायुति एक है और पूरी क्षमता के साथ चुनाव लड़ रही है। मैं एमवीए के बारे में यह बात नहीं कह सकता।''

इनके बीच है कड़ा मुकाबला

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, बीजेपी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के महायुति गठबंधन का राकांपा (एसपी), शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के गठबंधन एमवीए से कड़ा मुकाबला है। विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार अभियान के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही राकांपा नेताओं ने बीजेपी के प्रचार अभियान के 'बंटेंगे तो कटेंगे' नारे पर असहज होने का संकेत दिया है और यहां तक कि सत्तारूढ़ गठबंधन के सत्ता में लौटने की स्थिति में शासन के लिए एक साझा न्यूनतम कार्यक्रम बनाने का आह्वान किया है। धारावी पुनर्विकास परियोजना पर, जिसके बारे में शिवसेना (यूबीटी) ने घोषणा की है कि सत्ता में आने पर वह इसे रद्द कर देगी, मिलिंद देवड़ा ने कहा कि यह पहल पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी, शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे और उनके दिवंगत पिता मुरली देवड़ा के सपने पर आधारित है। उन्होंने कहा, ''आपको किसी एक डेवलपर से परेशानी हो सकती है। आप उस डेवलपर को नापसंद कर सकते हैं, डेवलपर को बदल सकते हैं। लेकिन धारावी के दो लाख लोगों को घर पाने से वंचित मत कीजिए।'' देवड़ा ने कहा, ''आप कब तक एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती का तमगा लेकर घूमते रहेंगे?''

'मुझे विश्वास है कि झूठे विमर्श का दौर समाप्त हो चुका है'

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हरियाणा चुनाव में बीजेपी की जीत ने इस विमर्श को खारिज कर दिया है जिसे हरियाणा में भी फैलाया जा रहा था। मुझे विश्वास है कि झूठे विमर्श का दौर समाप्त हो चुका है। अब यह चुनाव पूरी तरह विकास पर होगा और इस बारे में होगा कि मुंबई और महाराष्ट्र को कौन आगे ले जाना चाहता है।'' पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य से अपने मुकाबले के बारे में पूछे जाने पर मिलिंद देवड़ा ने दावा किया कि वर्ली के मतदाताओं के बीच यह भावना है कि शिवसेना (यूबीटी) विकास कार्यों को अवरुद्ध कर रही है। शिवसेना उम्मीदवार ने कहा, ''उद्धवजी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे, आदित्य अपने पिता की सरकार में शामिल थे।

दो फर्जी टिकट चेकर हुए गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । अगरतला

टिकट चेकर की वर्दी पहनकर पैसेंजर गाड़ी में यात्रियों के टिकट की जांच कर रहे दो फर्जी टिकट चेकरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। दोनों को दीमापुर अगरतला रेल खंड में चलने वाली पैसेंजर गाड़ियों में संध्या हॉस्पिटल तरीके से टिकट चेकिंग करते हुए पाए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया।

पहला मामला

प्राप्त सूचना के अनुसार फर्जी टिकट चेकर हुसैन अली द्वारा 05676 दीमापुर अगरतला पैसेंजर गाड़ी में टिकट चेकिंग की जा रही थी। इस ट्रेन में एस्कॉर्ट की ड्यूटी कर रहे रेल सुरक्षा बल के अजीत कुमार सरकार और अंजन पॉल को हुसैन अली की कार्य प्रणाली और गतिविधियों को देखकर संदेह हुआ। आरपीएफ जवानों ने फर्जी टीटीई हुसैन अली से पहचान पत्र और प्राधिकार पत्र दिखाने के लिए कहा। हुसैन अली ने पहले तो कहा कि वह एक नवनियुक्त टिकट चेकिंग कर्मचारी है और इसलिए टिकट की जांच कर रहा है, लेकिन बाद में उसने स्वीकार कर लिया कि उसके पास कोई डॉक्यूमेंट नहीं है।

दूसरा मामला

इसी रेलखंड में चलने वाली पैसेंजर गाड़ी 05675 डाउन में काम कर रहे सीनियर टिकट चेकिंग कर्मचारी सुबर्जित पॉल ने कौशिक सरकार नामक एक फर्जी टिकट चेकर को संदेह के आधार पर धड़ दबोचा। कौशिक सरकार ने पहले बयान दिया कि उसको टिकट चेकर के रूप में रेलवे में नौकरी मिली है लेकिन किसी प्रकार का अथॉरिटी लेटर या पहचान पत्र दिखाने में वह असफल रहा जिसके बाद सुब्रजीत पॉल ने फर्जी टीटीई को पकड़ कर राजकीय रेल पुलिस को सौंप दिया। राजकीय रेल पुलिस ने कौशिक सरकार के खिलाफ मामला दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया।

राष्ट्रवादी के पूर्व नगरसेवक का भाजपा में प्रवेश

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

एनसीपी के पूर्व नगरसेवक राजू टेकचंदानी, आरपीआई के शशिकांत वीरकायदे, तात्या सपकाले ने भाजपा की नीतियों व उल्हासनगर शहर में हो रहे विकास कार्य को देखते हुए अपने समर्थकों के साथ भाजपा में जिलाध्यक्ष प्रदीप रामचंदानी, भाजपा के पूर्व विधायक नरेंद्र पवार, भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र राजानी, जमनु पुरस्वानी की उपस्थिति में प्रवेश किया।

नरेंद्र मोदी के कार्यों से प्रभावित

जिलाध्यक्ष प्रदीप रामचंदानी ने कहा कि तमाम लोग भाजपा व नरेंद्र मोदी के कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा से जुड़ रहे हैं। विश्वास मोरे, दिलीप आयरे, संजय पवार समेत तमाम लोगों ने आज प्रवेश किया है सभी का भाजपा परिवार में स्वागत है। फिलहाल पहले से ही मजबूत भाजपा की स्थिति और अधिक मजबूत होगी।

जनजातीय गौरव दिवस आज

विकास की राह से जुड़ रहा आदिवासी समुदाय

■ पिछले 10 वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य से लेकर आर्थिक सशक्तिकरण बढ़ा

एजेंसी । नई दिल्ली

देश का आदिवासी समुदाय विकास की राह से जुड़ने लगा है। शिक्षा, स्वास्थ्य से लेकर आर्थिक सशक्तिकरण तक यह तरक्की कर रहा है। दशकों तक हाशिये पर रहीं जनजातियों को सरकार की विभिन्न परियोजनाएं लाभ पहुंचा रही हैं। एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।

1 शिक्षा छात्रों की संख्या बढ़ रही

पिछले एक दशक में एकलव्य आदर्श अवासीय विद्यालयों में शिक्षा का स्तर सुधरा है। इन स्कूलों में अब आधुनिक सुविधाएं मिलने लगी हैं। कक्षाएं डिजिटल हुई हैं और बुनियादी ढांचा मजबूत हुआ है। छात्रवृत्ति कार्यक्रमों ने भी आदिवासी बच्चों को सक्षम बनाने का काम किया है।

- 715 नए एकलव्य स्कूल बने हैं 2014 के बाद से
- 476 पुराने स्कूलों का कायापलट किया गया है
- 1.33 लाख आदिवासी छात्र पढ़ रहे इन स्कूलों में
- 17 हजार करोड़ की छात्रवृत्ति मिल चुकी तीन करोड़ बच्चों को दस वर्षों में

बुनियादी ढांचा

आदिवासी समुदाय लंबे समय से अलग-थलग थे। पिछले दस वर्षों में इन इलाकों में हजारों किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण हुआ है। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार के क्षेत्र में तरक्की में मदद मिली है।

2 हेल्थकेयर शौचालयों ने बीमारियों से बचाया

आदिवासी समुदायों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ोतरी हुई है। मोबाइल चिकित्सा इकाइयां अब दूरस्थ क्षेत्रों में भी पहुंच रही हैं। आदिवासी क्षेत्रों में शौचालयों की बढ़ती संख्याओं ने कई प्रकार की बीमारियों और संक्रमणों पर भी काबू पाया है।

- 1.5 करोड़ शौचालय बने आदिवासी इलाकों में दस वर्षों में
- 2047 तक सिकल सेल एनीमिया को खत्म करने का है लक्ष्य
- 4.6 करोड़ लोगों की जांच हो चुकी राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत
- 07 करोड़ लोगों की जांच करना है लक्ष्य

3 जमीन की सुरक्षा

अतिक्रमण, विस्थापन रुक रहा

सरकार ने वन अधिकार अधिनियम को सक्रिय रूप से लागू किया है। इससे आदिवासियों के भूमि अधिकारों को मान्यता मिली है। आदिवासियों की जमीन इसके तहत अधिक सुरक्षित हुई है। इससे जमीन पर बाहरी अतिक्रमण घटा है और आदिवासियों का विस्थान भी रुका है।

ये फायदा हुआ

- 23 लाख आदिवासी परिवारों को जमीन का मालिकाना हक मिला
- 1.9 करोड़ एकड़ जमीन इसके तहत आदिवासियों को मिली
- अपनी जमीन पर खेती और आजीविका के अन्य तरीके ढूंढ़े

4 आर्थिक सशक्तिकरण

विभिन्न पहलों ने सशक्त किया

आदिवासी समुदाय आम तौर पर अपनी आजीविका के लिए वन संसाधनों पर ही निर्भर थे। लेकिन आज राष्ट्रीय बांस मिशन, पीएम किसान और वन धन विकास केंद्रों जैसी पहल ने आदिवासियों के लिए आर्थिक प्रगति का नया रास्ता खोला है।

- 45 लाख से अधिक आदिवासियों को लाभ मिला वन धन विकास केंद्रों से
- 1.2 करोड़ आदिवासी किसानों को पीएम किसान के तहत लाभ मिल रहा

मालेगांव ब्लास्ट केस

पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर की बढ़ीं मुश्किलें

■ कोर्ट ने जारी किया वारंट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मालेगांव ब्लास्ट केस में भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मामले की सुनवाई के दौरान लगातार कोर्ट से अनुपस्थित रहने के कारण मुंबई की एक स्पेशल अदालत ने प्रज्ञा के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। ठाकुर लगातार स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का हवाला देते हुए कोर्ट की कार्यवाही में शामिल नहीं हुई हैं। पिछले एक महीने में

स्पेशल अदालत की तरफ से प्रज्ञा के खिलाफ जारी किया गया यह दूसरा वारंट है।

पुराने आदेश के बाद भी ठाकुर अदालत में पेश नहीं हुई

विशेष अदालत के जज लोहाटी ने कहा कि पुराने आदेश के बाद भी ठाकुर अदालत में पेश नहीं हुई हैं। इस कारण उनके खिलाफ एक और जमानती वारंट जारी किया जा रहा है। दरअसल, अदालत ने इसी महीने 5 नवंबर को प्रज्ञा ठाकुर के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था लेकिन कोर्ट रिकॉर्ड में पुराना पता होने के कारण यह समय से प्रज्ञा ठाकुर तक पहुंचा ही नहीं। इसके बाद कानूनी रूप से ठाकुर के नए पते को ध्यान में रखते हुए पूर्व सांसद के नाम एक और जमानती वारंट जारी किया गया।

वकील ने लगाया मेडिकल सर्टिफिकेट

कोर्ट में प्रज्ञा ठाकुर के वकील जे पी मिश्रा ने बताया कि पूर्व सांसद का भोपाल के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है, इसी कारण वह कोर्ट में पेश नहीं हो सकी हैं। वकील ने इस दौरान कोर्ट में प्रज्ञा ठाकुर के स्वास्थ्य से संबंधित मेडिकल रिपोर्ट भी पेश की। जज ने प्रज्ञा ठाकुर के खिलाफ नया 10 हजार रुपए का जमानती वारंट जारी करते हुए उन्हें 2 दिसंबर को कोर्ट में हाजिर होने का निर्देश दिया है।

क्या है मालेगांव विस्फोट मामला ?

29 सितंबर 2008 में हुए मालेगांव ब्लास्ट में 6 लोगों की जान चली गई थी जबकि 100 से ज्यादा लोग जख्मी हो गए थे। इस ब्लास्ट में प्रज्ञा ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित और पांच अन्य लोगों के खिलाफ विस्फोट में संलिप्तता के लिए मुकदमा दर्ज हुआ था। शुरुआत में इस मामले की जांच एटीएस महाराष्ट्र कर रही थी लेकिन बाद में फिर इसे एनआईए को सौंप दिया गया।

सत्ता संग्राम

अघाड़ी को डीएमके समीकरण पर भरोसा

गठबंधन को लोकसभा चुनाव में मिला था 'दलित, मुस्लिम और कुनबी का साथ

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार में महाविकास अघाड़ी (एमवीए) पूरी ताकत झोंक रहा है। प्रचार के दौरान ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं तक अपनी बात पहुंचाने की कोशिशों के साथ गठबंधन को अपने डीएमके (दलित, मुस्लिम, कुनबी) समीकरण पर पूरा भरोसा है। उसे यकीन है कि डीएमके के सहारे गठबंधन बहुमत का आंकड़ा हासिल करेगा। लोकसभा चुनाव में अघाड़ी ने दलित, मुस्लिम और कुनबी (मराठा) वोटरों के समर्थन से 48 में से 30 सीटों पर सफलता हासिल की थी। पर विधानसभा चुनाव में मुद्दे और समीकरण अलग होते हैं। प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने दावा किया कि दलित और मुस्लिम इस चुनाव में एमवीए के साथ हैं। पर मराठा वोट एमवीए और महायुति में विभाजित हो सकता है। इससे एमवीए को नुकसान होगा। इसीलिए मराठवाड़ा सहित मराठा बहुल्य क्षेत्रों में वरिष्ठ नेता शरद पवार और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे चुनाव प्रचार का जिम्मा संभाल रहे हैं। जबकि, आरक्षित सीटों पर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी रैलियां कर रहे हैं। इस तरह दलित, मुस्लिम और मराठा वोटरों को साधकर बहुमत का जादुई आंकड़ा हासिल किया जा सकेगा।

संविधान और आरक्षण ही बड़ा मुद्दा

सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज के आंकड़ों के मुताबिक, लोकसभा चुनाव में ओबीसी वोट महायुति और एमवीए दोनों में बराबर बंटा था। इसके अलावा 58 फीसदी मराठा मतदाताओं ने महायुति और 38 प्रतिशत ने एमवीए को वोट किया था। 46 फीसदी दलित मतदाताओं ने एमवीए और 35 प्रतिशत ने महायुति को वोट किया था। 55 प्रतिशत आदिवासियों ने एमवीए पर भरोसा जताया था। यही वजह है कि कांग्रेस विधानसभा में भी संविधान की रक्षा और आरक्षण को बड़ा मुद्दा बना रही है। उसे यकीन है इससे दलित और आदिवासी एमवीए का साथ देंगे। कांग्रेसी नेता ने कहा कि लोकसभा की तरह मुस्लिम मतदाता इस बार भी एमवीए के साथ हैं। लोकसभा में 72 प्रतिशत मुस्लिम मतदाताओं ने एमवीए को वोट किया था, जबकि महायुति को इनसे सिर्फ 12 प्रतिशत वोट मिले थे।

जोगेश्वरी-गोरेगांव खंड के बीच ब्लॉक

पश्चिम रेलवे की ट्रेन सेवाएं होंगी प्रभावित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

जोगेश्वरी एवं गोरेगांव के बीच ब्रिज संख्या 46 के री-गर्डरिंग कार्य हेतु अप और डाउन दोनों धीमी लाइनों के साथ-साथ अप और डाउन हार्बर लाइनों पर 12 घंटे का ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक 16/17 नवंबर, 2024 की मध्य रात्रि को 23:30 बजे से 11:30 बजे तक लिया जाएगा। इस ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ उपनगरीय ट्रेन सेवाएं और कुछ मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें प्रभावित होंगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने जारी कर यह जानकारी दी।

इस प्रकार होगा ट्रेनों का संचालन

- अप और डाउन धीमी लाइनों की सेवाओं को अंधेरी और गोरेगांव/बोरीवली के बीच अप और डाउन फास्ट लाइनों पर चलाया जाएगा। ये सेवाएँ राम मंदिर पर प्लेटफॉर्म की अनुपलब्धता के कारण नहीं रुकेंगी।
- ब्लॉक अवधि के दौरान मध्य रेल से चलने वाली हार्बर लाइन की सभी सेवाएं केवल अंधेरी तक चलेंगी और रिवर्स हो जायेंगी।
- चर्चगेट- गोरेगांव/बोरीवली की कुछ धीमी सेवाओं को अंधेरी से शॉर्ट टर्मिनेट एवं रिवर्स किया जाएगा।
- ब्लॉक के दौरान अप और डाउन मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें 10-20 मिनट की देरी से चलेंगी।
- उपनगरीय ट्रेनों के निरस्त होने और शॉर्ट टर्मिनेट होने का विवरण सभी उपनगरीय स्टेशनों पर उपलब्ध रहेगा।
- ब्लॉक के दौरान राम मंदिर पर अप और डाउन दिशा में कोई भी ट्रेन सेवा उपलब्ध नहीं रहेगी।

पश्चिम रेलवे

रखरखाव कार्य

वरिष्ठ डीईएन (दक्षिण) एमएमसीटी आमंत्रित करता है अनु. क्र.1, निविदा सूचना संख्या: बीसीटी/24-25/207 दिनांक 12.11.2024. कार्य और स्थान: चर्चगेट-विरार खंड- विरार कारशेड-विरार कारशेड में दो वर्ष की अवधि के लिए नई परिसंपत्तियों के रखरखाव को आउटसोर्स करने का प्रस्ताव. लगभग कार्य की लागत: 1,03,00,235.63/-. ईएमडी: 2,01,500/-. अनु. क्र.2, निविदा सूचना संख्या: बीसीटी/24-25/208 दिनांक 12.11.2024 कार्य और स्थान: चर्चगेट विरार - खंड एडीईएन (टी/एस) पीएल और एडीईएन (टीआईएन) बोरीवली खंड के अंतर्गत निर्मित क्रॉसिंग, टंग रेल, एसईजे और टूटी हुई स्लाइड चेयर आदि की मरम्मत. लगभग कार्य की लागत: 2,26,36,841.39/-. ईएमडी: 2,63,200/-. दोनों निविदाएं जमा करने की तिथि और समय: 06.12.2024, 15.00 बजे तक. दोनों निविदाएं खोलने की तिथि और समय: 06.12.2024 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0733

लाइक करें : facebook.com/WesternRly

CENTRAL RAILWAY

सामग्री की खरीद

निविदा नोटिस संख्या CWE/MTN/ 85246700/2024

कार्य का नाम: SET OF 25 KV PANTOGRAPH SUPPORT INSULATOR AS PER ANNEXURE-A 1. **मात्रा:** 406 सेट। **तिथी:** 09.12.24 **निविदा मूल्य:** रु.17362090.62/- निविदा का पूरा विवरण मध्य रेलवे की अधिकृत वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। संपूर्ण दस्तावेज वेबसाइट से डाउनलोड कि जा सकते है।

एमएम (सीडब्ल्यूई)
एमटीएन सेंट्रल रेलवे माटुंगा.
Apex-549

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

पश्चिम रेलवे

मरम्मत कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400 008 आमंत्रित करता है निविदा सूचना संख्या: बीसीटी/24-25/209 दिनांक 12.11.2024. कार्य और स्थान: विरार-कारशेड- असुरक्षित गर्डर्स में सुधार और ईओटी क्रेन का गैन्ट्री ट्रैक. लगभग कार्य की लागत: 89,66,927.26/-. ईएमडी: 1,79,300/-. जमा करने की तिथि और समय: 06.12.2024, 15.00 बजे तक. उद्घाटन की तिथि और समय: 06.12.2024 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0736

लाइक करें : facebook.com/WesternRly

PUBLIC NOTICE

REVOCATION OF GENERAL POWER OF ATTORNEY DATED 30TH MARCH, 2023

Notice is given to the Public that I, MRS. FARZANA SALIM SHAIKH residing at Shiv Welfare Housing Society, Akurli Road, Near Hanuman Mandir, Narshi Pada, Kandivali (E), Mumbai – 400 101, do hereby Revoke in its Entirety the GENERAL POWER OF ATTORNEY DATED 30TH MARCH, 2023 that was granted to **1) MOHAMMED JABIR ABDUL VAHID BAIG, 2) ASIF MOHAMMED SAEED ANSARI and 3) REKHA VIRENDRA CHAURASIYA as my Attorney-in-Fact in respect of property being** all that piece and parcel of lot of land bearing Survey No. 13 corresponding CTS No. 161 Part of Village Akurli, Taluka-Borivali, Mumbai Suburban District, Mumbai lying being and situated at Kandivali East, Mumbai – 400 101 within the limits of R/S Ward of the Municipal Corporation of Greater Mumbai. This revocation of General Power of Attorney shall be conclusively for all purpose, from the 14/11/2024, Anybody dealing **1) MOHAMMED JABIR ABDUL VAHID BAIG, 2) ASIF MOHAMMED SAEED ANSARI and 3) REKHA VIRENDRA CHAURASIYA will do so at his/her/ their own risk and responsibilities and the undersigned will not be responsible for any act, deed or dealing done.**

This Revocation of General Power of Attorney is executed on this 14th day of November 2024 at Mumbai.

MRS. FARZANA SALIM SHAIKH

Sd/-
Manish Rathod
Advocate
160, Old Esplanade School Bldg,
D.N. Road, Fort,– Mumbai 400 001.

PUBLIC NOTICE

NOTICE hereby given public at large that, an Original Agreement for sale dated 29/08/2012 entered between REHANA SIDDIQUE and Mrs. NOOR MANSOOR NATHANI & Mr. MANSOOR JUMMA NATHANI for the Flat No.503 on the 5th Floor, Development Green Avenue A and B Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Shanti Park, Mira Road (East), Dist. 401 107 along with Original Registration Slip No.8523/2012 has been lost/misplaced and in this respect a police complaint has been lodged with site of Mira Bhayandar, Vasai Virar Police marked to Kashimira Police Station vide Lost Report No.36808 on 13/11/2024, the founder of the said original documents please return to the present owner Mr. MANOJ S. TOURANI or to the undersigned / society within 14 days from the publication of this notice, else it is considered that said documents are lost /misplaced permanently.

Place : Mira Road (East),
Dated: 15/11/2024

Sd/-
Mr. H.K. Someshwar
Advocate, High Court, Bombay
C-43/304/Sector-2/Shantinagar
Dist. Thane 401 107 -9819409260

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सं.एसीडी/3009/ए.ई.(एस.डब्लू.एम.) डी/ दिनांक 14/11/2024

ई.ओ.आई. / कोटेशन नोटिस

जोबनपुत्रा कम्पाउंड, नाना चौक, मुंबई- 400007 में स्थित सहायक आयुक्त डी-वार्ड में "डी-वार्ड में क्रॉनिक कॉमन हाउस गली की सफाई के लिए एनजीओ मजदूर उपलब्ध कराने" के लिए सीलबंद ई.ओ.डब्ल्यू.कोटेशन आमंत्रित करता है. खाली कोटेशन फॉर्म सहायक अभियंता (एस.डब्लू.एम.) डी-वार्ड के पास 15.11.2024 से 22.11.2024 तक किसी भी कार्यदिवस पर सुबह 11.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे के बीच 3900/- रुपये (3300 रुपये +18% जीएसटी) का भुगतान करके उपलब्ध होंगे.

मोम सीलबंद ईओआई/कोटेशन सहायक आयुक्त डी-वार्ड के कार्यालय में नियत तिथि अर्थात 22.11.2024 को दोपहर 1.00 बजे तक पहुंच जाना चाहिए और उसी दिन दोपहर 3.00 बजे खोला जाएगा, उस एनजीओ को वरीयता दी जानी चाहिए जिसके पास डी-वार्ड में उसी तरह के काम का अनुभव हो.

ईओआई/कोटेशन दस्तावेज डाक से नहीं भेजे जाएंगे.

हस्ता/-
सहायक अभियंता (एसडब्ल्यूएम) डी-वार्ड

पीआरओ/1808/विज्ञा./2024-25

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

SRA/CO/OW/२०२४/६०८५१ सहकार कक्ष, झोपुप्रा, मुंबई
जा.क्र. झोपुप्रा/ सहा. नि./ टे. सी. ६/ सन २०२४ दिनांक : १३/११/२०२४.

-: नोटीस :-

श्री सिध्दीविनायक जीआयके एसआरए सहकारी गृहनिर्माण संस्था (नियो.), सीटीएस नं. १८२ अ (पै), लक्ष्मीबाग, राजाराम शिवराम बने मार्ग, कॅनरा कंपनी जवळ, घाटकोपर (पुर्व), मुंबई ४०० ०७५ या संस्थेचे सहाय्यक आयुक्त, एन विभाग, बृहन्मुंबई महानगरपालिका व अप्पर जिल्हाधिकारी (अति/निष्का) पुर्व उपनगरे यांनी निर्गमित केलेले असून सदरील परिशिष्ट २ मध्ये पात्र असणाऱ्या झोपडीधारकांची सहकारी गृहनिर्माण संस्था नोंदणी करण्यासाठी आवश्यक असणारी नोंदणीपूर्व सभा घेण्यासाठी मा. सहाय्यक निबंधक (पुर्व व पश्चिम उपनगरे), झो.पु.प्रा. यांच्या दिनांक. १३/११/२०२४ रोजीच्या आदेशान्वये माझी प्राधिकृत अधिकारी म्हणून नियुक्ती करण्यात आलेली आहे.

त्याअनुषंगाने या नोटीसव्दारे पात्र झोपडीधारकांच्या नाव आरक्षणाबाबतची सभा **रविवार दि. ०१/१२/२०२४ रोजी सकाळी १०.०० वाजता स्थळ:- परब मराठा समाज हॉल, गौरीशंकर वाडी नं. ०२, पंतनगर, घाटकोपर (पुर्व), मुंबई ४०० ०७५ येथे** आयोजित करण्यात आलेली आहे. सदरील सभेत खालील विषयावर चर्चा होवून निर्णय घेण्यात येणार आहे.

-: सभेचा विषय :-

१) मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांची निवड करणे.
२) नियोजित संस्थेच्या नावास मान्यता घेणे व नांव आरक्षण प्रस्ताव दाखल करणेबाबत निर्णय घेणे.
३) संस्थेसाठी नविन उपविधी स्विकारण्यासाठी मंजूरी देणे.
४) संस्थेच्या नोंदणी प्रस्तावावर सहया करण्यासाठी मुख्यप्रवर्तक यांना अधिकार देणे.
५) भाग भांडवल व प्रवेश फी जमा करणेबाबत निर्णय घेणे.
६) संस्थेचे बँक खाते उघडण्यास मुख्यप्रवर्तक यांना प्राधिकृत करणे.
७) मागाहून पात्र होणाऱ्या झोपडीधारकांना संस्थेचे सभासद करुन घेणे अथवा अपात्र झोपडीधारकांचे सभासदत्व रद्द करण्याचे अधिकार कार्यकारी मंडळास देणे.

सही/-
(अरुण जाधव)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी श्रेणी -१, झोपुप्रा, मुंबई

ठिकाण : मुंबई
दिनांक : १३/११/२०२४.

सुचना:

- मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक निवडणूकीचा कार्यक्रम खालीलप्रमाणे राहील.

अ. क्र.	वेळ	विषय
१)	सभेच्या दिलेल्या वेळेपासून २ तास	मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांच्यासाठी नामनिर्देशन अर्ज दाखल करणे.
२)	१५ मिनिटे	आलेल्या अर्जाची छाननी करणे.
३)	१५ मिनिटे	नामनिर्देशन पत्र परत घेणे.
४)	१५ मिनिटे	पॅनलची मागणी करणे.
५)	पुढील अर्धातास	चिन्ह वाटप करणे.

- मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक या पदासाठीचे विहीत अर्ज प्राधिकृत अधिकारी यांच्याकडे उपलब्ध असतील.
- मुख्यप्रवर्तक पदासाठी एक मतपत्रिका व प्रवर्तक मंडळातील सदस्यांसाठी एक मतपत्रिका अशा एकूण ०२ मतपत्रिका राहतील.
- विषय पत्रिकेवरील विषय क्र. १ नुसार मुख्यप्रवर्तकाची निवड होईपर्यंत सभेचे प्राधिकृत अधिकारी अध्यक्ष म्हणून काम पाहतील त्यानंतर मुख्यप्रवर्तक हे सभा अध्यक्ष म्हणून काम पाहतील. (सदरील सभेत विषय पत्रिकेवर दिलेल्या विषयाशिवाय अन्य विषयावर चर्चा करता येणार नाही)
- सभेस नियोजित संस्थेच्या मंजूर परिशिष्ट-२ मधील पात्र झोपडीधारक पती/पत्नी या दोघांपैकी एकाच व्यक्तीस उपस्थित राहता येईल. इतर नातेवाईकांना अथवा प्रतिनिधींना उपस्थित राहता येणार नाही.
- मंजूर परिशिष्ट-२ मधील व्यक्तींनी स्वतःची ओळख होईल अशा ओळखपत्रासह (आधार कार्ड / निवडणूक ओळखपत्र / पॅनकार्ड इत्यादी) उपस्थित रहावे.
- संस्थेच्या पात्र सभासदांना सभागृहात प्रवेश देते वेळी त्यांनी त्यांची ओळख पटवून सभेच्या उपस्थिती नोंदवहीत स्वाक्षरी करुन व बायोमॅट्रीक पध्दतीने उपस्थिती नोंदविल्यानंतरच सभागृहात प्रवेश दिला जाईल.
- सभेच्या कामकाजाचे प्राधिकरणामार्फत व्हिडीओ चित्रिकरण करण्यात येईल.
- मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांची एकूण संख्या सहकारी गृहनिर्माण संस्थांच्या आदर्श उपविधीमध्ये निश्चित केल्याप्रमाणे राहील.

Format C-1

(for candidate to publish in Newspapers, TV)

Declaration about criminal cases

(As per the judgment dated 25th September, 2018, of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No.536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs. Union of India & Anr.)

Name and address of candidate - **SHAINA MANISH CHUDASAMA MUNOT**
2, Shanti Cottage, Narayan Dabholkar Marg,Malabar Hill,
Mumbai - 400 006.

Name of political party : **SHIV SENA**

Name of Election: **MAHARASHTRA STATE ASSEMBLY**

Name of Constituency: **186, MUMBADEVI ASSEMBLY CONSTITUENCY**

I SHAINA MANISH CHUDASAMA MUNOT, a candidate for the abovementioned election, declare for public information the following details about my criminal antecedents:

(A) Pending criminal cases

Sl. No.	Name of Court	Case No. and dated	Status of case(s)	Section(s) of Acts concerned and brief description of offences(s)
Nil	Nil	Nil	Nil	Nil

(B) Details about cases of conviction for criminal offences

Sl. No.	Name of Court & date(s) of order(s)	Description of offence(s) & punishment imposed	Maximum Punishment Imposed
Nil	Nil	Nil	Nil

*In the case of election to Council of States or election to Legislative Council by MLAs, mention the election concerned in place of name of constituency.

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

मारक महंगाई

केंद्रीय बैंक व सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद, देश में खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के चलते खुदरा मुद्रास्फीति पिछले चौदह महीनों की ऊंचाई पर जा पहुंची हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की ओर से मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार खुदरा महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक के छह फीसदी के संतोषजनक स्तर से ऊपर निकल गई है। आंकड़ों के अनुसार अक्तूबर में खुदरा मुद्रास्फीति 6.21 प्रतिशत रही। ऐसे में खुदरा महंगाई के आरबीआई द्वारा निर्धारित संतोषजनक स्तर से ऊपर निकल जाने से इस साल दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कमोबेश धाराशाई हो गई हैं। दरअसल, खुदरा महंगाई में यह वृद्धि सब्जियों,फलों, वसायुक्त वस्तुओं व तेलों की कीमतों में तेजी की वजह से हुई है। जो कि भारत की खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में व्याप्त गहरी संरचनात्मक चुनौतियों का खुलासा करती है। साथ ही स्थिति में सुधार के लिये अविलंब सरकारी हस्तक्षेप की जरूरत को बताती है। निश्चित रूप से अक्तबूर की खाद्य मुद्रास्फीति दर का इस साल सबसे अधिक 10.87 फीसदी होना नीति-नियंताओं के लिये चिंता का विषय होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर यह बढ़ती महंगाई एक महत्वपूर्ण संकेत भी देती है कि अस्थिर खाद्य कीमतें देश की संपूर्ण आर्थिक स्थिरता को कैसे बाधित कर सकती है। विशेष रूप से टमाटर और तेल जैसी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी, कुछ प्रमुख वस्तुओं और आयात की जाने वाली चीजों पर देश की निर्भरता हमारी कमजोरी को ही दर्शाती हैं। इसमें दो राय नहीं कि हर साल वर्षा ऋतु में सब्जी उत्पादक राज्यों में अतिवृष्टि, बाढ़ आदि के कारण उत्पादन व आपूर्ति में बाधा उत्पन्न हो जाती है। वहीं अनियमित और ज्यादा बारिश से सब्जी व फलों को होने वाले नुकसान ने बता दिया है कि जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। जिसकी आशंका हम कई वर्षों से जताते भी रहे हैं। अब इस चुनौती का युद्ध स्तर पर मुकाबला करने की जरूरत है। बहरहाल, हमें गंभीरता से विचार करना होगा कि ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों से सब्जियों के उत्पादन व आपूर्ति को कैसे सुरक्षित करें। ऐसे वक्त में जब कृषि उत्पादन पर जलवायु परिवर्तन का सीधा प्रभाव नजर आया है, हमें मौसम के चरम में बेहतर उत्पादन देने वाली सब्जियों व अन्य फसलों की उन्नत किस्में तैयार करनी होंगी। साथ ही बेहतर भंडारण सुविधाएं जुटानी होंगी। जिससे बिचौलियों की मुनाफाखोरी पर अंकुश लगाकर कृत्रिम महंगाई को रोका जा सकेगा। हम व्यावहारिक आयात रणनीति को अपनाते हुए सब्जियों व फलों के आपूर्ति पक्ष को मजबूत करें। कालांतर ये प्रयास खाद्य मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने में मददगार होंगे। हमें औद्योगिक उत्पादन में भी तेजी लाने की जरूरत है ताकि लोगों की आय बढ़ने से क्रय शक्ति में इजाफा हो। हालांकि, सितंबर में औद्योगिक उत्पादन में तीन फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, लेकिन यह आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं है। दरअसल, कम वृद्धि उच्च मुद्रास्फीति के कारण उत्पन्न होने वाले आर्थिक दबाव को कम करने में सहायक नहीं हो सकती है। वहीं औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में यह मामूली वृद्धि हमारी अर्थव्यवस्था में सुस्ती को बताती है। निस्संदेह, मुद्रास्फीति में कमी किए बिना सुधार की गति को बनाये रखने में मुश्किल है। ऐसे में केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम होने से उपभोक्ता मांग कम हो सकती है। कालांतर इसका असर निवेश पर भी पड़ सकता है। निश्चित रूप से तीव्र आर्थिक विकास के लिये मुद्रास्फीति के दबावों से उबरने की आवश्यकता है। इसके लिये कृषि उत्पादन व औद्योगिक प्रदर्शन में तेजी लाने की भी जरूरत महसूस की जा रही है। वहीं दूसरी ओर वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितताओं के बीच सरकार को घरेलू उत्पादन क्षमताओं में वृद्धि करने के प्रयास करने चाहिए। जिससे हमें आपूर्ति श्रृंखला को अनुकूल बनाने में मदद मिल सके। साथ ही खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करना भी जरूरी है। बहरहाल, दीर्घकालीन आर्थिक स्थिरता के लिये जरूरी है कि देश बार-बार मुद्रास्फीति में होने वाली बढ़ोतरी को रोकने के लिये कृषि सुधारों को प्राथमिकता दे। जिससे कमजोर आय वर्ग के परिवारों को बढ़ती कीमतों के दबाव से राहत मिल सके।

देश की तरक्की में बाधक हैं मुफ्त की रेवड़ियां

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक में अपने ही दल की सरकार की यह कहकर आलोचना की कि जो चुनावी वादे पूरे नहीं किए जा सकते, उन्हें न करें। वजह यह है कि सरकार बन जाने पर उन्हें पूरा करने में कठिनाई आती है। उनका आशय मुफ्त की उन योजनाओं से था, जिन्हें पूरा करने में सरकारी खजाने को खाली होने का डर होता है। हिमाचल प्रदेश के बारे में अभी खबर आई ही थी कि वहां सरकारी खजाने का हाल यह है कि सरकारी कर्मचारियों को वेतन देने तक के लिए संसाधन जुटाने में दिक्कत आ रही है। हिमाचल प्रदेश में भी कांग्रेस की सरकार ही है। लेकिन पक्ष-विपक्ष के नेताओं को चुनाव जीतने से मतलब होता है। सोच लिया जाता है कि बाद की बाद में देखेंगे। इसलिए खड़गे के बयान पर ध्यान दिया जाना चाहिए। अरसे से देख रहे हैं कि सभी दल, जनता उन्हें वोट दे, वे किसी न किसी तरह चुनाव जीत जाएं, इसके लिए मुफ्त में सब कुछ देने का वादा करते हैं। वे भूल जाते हैं कि अपने ही किए गए वादों के जाल में फंस सकते हैं। फंसते हैं, तभी तो खड़गे ने ऐसा बयान दिया। एक बार तमिलनाडु से आने वाली घरेलू सहायिका ने बताया था कि महीने भर का राशन- अनाज, चावल, दालें, तेल, मसाले आदि सब चीजें मुफ्त में हर एक के घर पहुंचा दी जाती हैं। महिलाओं के लिए बस यात्रा मुफ्त है। चुनावी घोषणापत्र में अनेक दल टीवी, मोबाइल, साइकिल, स्कूटी, लैपटॉप, साड़ियां आदि देने का वादा करते हैं। पक्के घर, बिजली, पानी आदि भी देने के वादे किए जाते हैं। मुफ्त की चिकित्सा सुविधा भी। इन दिनों तो युवाओं, स्त्रियों, बुजुर्गों के खाते में सीधे हजारों रुपए भेजने की बातें की जाती हैं। ये पैसे कहां से आएंगे, इसकी चिंता किसी दल को नहीं होती। सारे पैसे मुफ्त में देने में ही खर्च हो जाएंगे, तो बाकी के कामों का क्या होगा। ईं भी यह नहीं कहता कि लोग परिश्रम करें। न ही इसकी योजनाएं बनाई जाती हैं कि लोगों को अधिक से अधिक संख्या में काम पर कैसे लगाया जाएगा। वैसे भी अपने यहां कहावत है कि अजगर करे न चाकरी, पंछी करे न काम। दास मलूका कह गए सबके दाता राम। यानी कि लोग भाग्य और अब सरकारों के भरोसे रहें। किसी भी देश को बर्बाद करना हो, तो लोगों को श्रम से मुंह मोड़ना और भाग्य के भरोसे रहना सिखा दें। यही अपने यहां हो रहा है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटें और कुछ रास्ता न बचे तो वर्ल्ड बैंक के सामने कटोरा फैलाकर कर्ज ले लिया जाए। वेनेजुएला जैसे फलते-फूलते देश की अर्थव्यवस्था इन रेवड़ियों के कारण किस तरह से बैठ गई, यह हम सबने देखा। और सोवियत संघ के पतन से भी हमने कुछ नहीं सीखा। सोचें कि मुफ्त देने के मुकाबले यदि इन पैसों को देश के विकास में लगाया जाए, तो इससे लोगों को काम भी मिलेगा और लोगों के परिश्रम की आदत भी नहीं छूटेगी। यहां दो उदाहरण देना उचित होगा। कुछ साल पहले बिजली का बिल ठीक कराने के लिए बिजलीघर गई थी। वहां पता चला कि फोटोकापी वाला इस काम को आसानी से करा देता है। कुछ पैसे देने होंगे। बार-बार आने और फिर भी काम न हो पाने के मुकाबले, कुछ पैसे देना उचित लगा। वहां पहुंची, तो फोटोकापियर एक आदमी से बात कर रहा था। वह आदमी कह रहा था कि पास ही की एक कालोनी में उसका पच्चीस गज का चार मंजिल का घर है। चारों मंजिल उसी के पास हैं। वह चाहता है कि हर मंजिल पर एक अलग मीटर लगा दिया जाए, जिससे कि किसी भी मंजिल का बिल दो सौ यूनिट से ज्यादा न आए और उसे बिजली का एक पैसा न देना पड़े। यानी कि खर्च तो आठ सौ यूनिट होंगी, मगर अलग-अलग मीटरों के कारण उसका बिजली का बिल शून्य होगा। कारण, दिल्ली की सरकार ने दो सौ यूनिट बिजली मुफ्त में दे रखी है। यह तो एक उदाहरण है, लम्बे-चौड़े दिल्ली शहर में ऐसा कितने लोग करते होंगे, इसका अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। दरअसल, एक बार अगर मुफ्त की कोई योजना शुरू कर दी जाए तो फिर किसी भी दल की हिम्मत नहीं होती कि वह उसे खत्म कर दे। क्योंकि खत्म करते ही विरोधी उसके पीछे पड़ जाते हैं और अपना नुकसान होते देख, लोग चुनाव हरा देते हैं। इसके अलावा यह भी होता है कि आज आपने किसी को एक रुपया मुफ्त दिया है, तो वह कहता है कि एक रुपया तो पहले से ही मिलता है, वही दे रहे हो तो नया क्या दे रहे हो। वोट तो तब दें, जब ये बताओ कि इस एक रुपए से बढ़ाकर कितना दोगे। जितना मुफ्त मिलता जाता है, लालच बढ़ता जाता है।

कुछ साल पहले पास ही के उत्तर प्रदेश के शहर में साहित्य उत्सव में गई थी। वहां स्थानीय लोग बहुत थे। उनमें से बहुत से गांवों से आए थे। उनका कहना था कि अब गांवों में युवा काम करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि वहां लोगों को बहुत कुछ मुफ्त मिलता है, तो कोई काम क्यों करे। यह भी बताया कि बहुत से युवा इकट्ठे होकर, दिन भर जुआ खेलते रहते हैं। चूंकि खाली हैं, तो लड़ाई-झगड़ा और अपराधों का ग्राफ भी बढ़ा है। यह सिर्फ एक स्थान की बात नहीं है। भारत भर से ऐसी खबरें आ रही हैं कि अब काम करने वाले आसानी से नहीं मिलते। खटाखट-फटाफट के चक्कर में लोग इस बात से आश्वस्त हो जाते हैं कि उन्हें अब खाने-पीने और पैसे की दिक्कत नहीं होगी, तो बिना मतलब काम क्यों किया जाए। परिश्रम न होने के कारण गांवों में, कम उम्र में ही वे बीमारियां बढ़ रही हैं, जिन्हें बड़ी उम्र के रोग कहा जाता था। तमाम बड़े अर्थशास्त्री मुफ्त की योजनाओं को किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक मानते हैं, मगर दलों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। नकली समाजवाद का रोग अपने देश में इस कदर फैला है कि सब कुछ फ्री में चाहिए। जबकि एक मशहूर वाक्य है– लंच इज नाट फ्री। यानी कि पूंजीवाद में कुछ भी मुफ्त नहीं होता। एक तरफ जीडीपी कैसे बढ़े, इसके लिए सरकारें रोती रहती हैं, मगर सब कुछ मुफ्त-मुफ्त के वादे करके लोगों का परिश्रम से मुंह मोड़ती हैं। चरैवेति-चरैवेति का मतलब मात्र चलना नहीं है। बल्कि जीवन के लिए जो भी जरूरी सुविधाएं हैं, उनके लिए कठिन परिश्रम करना है।

जीवन मंत्र

रमेश भाई ओझा

पापी और पुण्यशाली

सबसे पहले जो आदमी जाकर दूर खड़ा हुआ, वह अंदर से बहुत डर रहा था, क्योंकि उसे पता था कि उसने पाप किया है। वह पांच मिनट तक खड़ा रहा। बिजली उसके सिर पर चमक रही थी, मगर उस पर गिरी नहीं, वह बच गया।

कभी-कभी परिवार या समाज में एक व्यक्ति ऐसा निकल आता है, जिसके कारण समूचा समाज और परिवार उबर जाता है। एक पुरानी कथा है। दस लोग जंगल मार्ग से कहीं जा रहे थे। अचानक भयंकर तूफान आ गया। तेज बारिश होने लगी। बादल भयानक रूप से गरज रहे थे, बिजली चमक रही थी। वे सभी वृक्ष के नीचे खडे. हो गए। तभी उनमें से एक ने कहा- हम में से जो पापी होगा, उस पर किसी समय बिजली गिर सकती है।

सब चिंता में पड़ गए, आखिर वह पापी कौन है? उस एक के

कारण सबको मरना पड़े, तो यह ठीक नहीं। फिर सबने तय किया कि एक-एक करके दसों यात्री दूर जाकर खडे. होंगे; जो पापी होगा, उसके ऊपर बिजली गिरेगी। सब अपने आप को पुण्यशाली समझ रहे थे। कोई अपने आप को पापी समझने को तैयार न था।

सबसे पहले जो आदमी जाकर दूर खड़ा हुआ, वह अंदर से बहुत डर रहा था, क्योंकि उसे पता था कि उसने पाप किया है। वह पांच मिनट तक खड़ा रहा। बिजली उसके सिर पर चमक रही थी, मगर उस पर गिरी नहीं, वह बच गया। मन ही मन परमात्मा का आभार मानकर वह वापस वृक्ष तले आ गया। दूसरा व्यक्ति गया, वह भी पांच मिनट के बाद संतोष समेत वापस आया। उसने भी सोचा वह निष्पापी है।

तीसरा गया। उस पर भी बिजली नहीं गिरी। इस तरह, नौ लोग सुरक्षित वापस लौट आए। उन सबके मन में यह बात तय हो गई कि जो दसवां है, वही पापी है। अब उन्होंने मिलकर दसवें को कहा- पापी, दुष्ट, तेरे कारण हम सब मर जाते। अब जब तू पहचान में आ गया है, तो यहां से निकल। तेरे जैसे पापी के तो साथ चलना भी पाप है। वह सीधा-सादा इंसान था। मगर नौ जनों ने उसे धक्का मारकर दूर कर दिया। उसने पूछा भी कि मेरा क्या दोष है? वे एक सुर में बोले, तू पापी है। तुझे मारने के लिए ही बिजली चमक रही है। तेरे कारण हम सब मरना नहीं चाहते। तुम जाओ यहां से। उस भोले इंसान ने कहा- मेरे कारण आप सबको कष्ट हुआ, इसके लिए मैं क्षमा मांगता हूं, पर मुझे अकेला छोड़कर मत जाओ। सबने कहा- नहीं, तुम जैसे पापी की तो परछाईं भी हम पर नहीं पड़नी चाहिए। तू यहां से भाग। बेचारा रोता हुआ गया, जैसे ही कुछ कदम दूर आगे बढ़ा, आसमान से बिजली गिरी और सारे के सारे मारे गए! उस एक पुण्यशाली के कारण उन नौ के प्राण की रक्षा हो रही थी। जब कभी किसी पुण्यशाली को धक्के देकर समाज निकाल देता है और पुण्यशाली पापी कहलाता है, तब समाज अपनी कब्र खुद ही खोदता है। ऐसे एक पुण्यशाली के कारण पूरा समाज या परिवार बचा रहता है।

जीवन ऊर्जा

विलियम हर्शल: जन्म 15 नवंबर 1738

जन्म

धैर्य ही खोज का रास्ता है

विलियम हर्शल एक महान ब्रिटिश खगोलशास्त्री और संगीतकार थे, जिनका जन्म 15 नवंबर 1738 को हुआ था और निधन 25 अगस्त 1822 को हुआ। उन्होंने यूरेनस ग्रह की खोज की और खगोल विज्ञान में दूरबीनों के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे ब्रह्मांड की समझ का विस्तार हुआ।

आसमान एक कैनवास है; इसे अपने सपनों से रंगों। जिज्ञासा खोज की आग के लिए ईंधन है। सितारे तुम्हें तुम्हारी असीम संभावनाओं की याद दिलाते हैं। अंधकार में ज्ञान का प्रकाश खोजो। हर नई खोज हमें ब्रह्मांड में हमारी जगह समझने के करीब लाती है। सच्ची महानता अज्ञात को खोजने में है। सिर्फ सितारों को देखो मत; उन्हें छूने की कोशिश करो। ब्रह्मांड में अनगिनत रहस्य छिपे हैं, जो उन्हें देखने का साहस रखते हैं उनके लिए। ब्रह्मांड को समझने के लिए असंभव पर विश्वास करना जरूरी है। धैर्य ही खोज का रास्ता है। रात के आकाश में सबसे हल्की चमक भी अनकहे रहस्य समेटे है।

ज्ञान की खोज में समर्पित रहो; इसका इनाम अनंत है। सितारे हमारी जिज्ञासा के मील के पत्थर हैं। जो लोग चुनौतियों के बीच डटे रहते हैं, वही महानता प्राप्त करते हैं। अचरज ही खोज की पहली सीढ़ी है। सच्चे खोजी सफर में आनंद पाते हैं, न कि सिर्फ मंजिल में। हमारा ब्रह्मांड असीम है; हमारे सपनों को भी होना चाहिए। जिज्ञासा को वह दूरबीन बनाओ जिससे तुम दुनिया को देखो। सितारे नहीं बदलते, बल्कि उन्हें देखने का हमारा नजरिया बदलता है। ध्यान और धैर्य से, सबसे गहरे रहस्य भी खुलेंगे। सितारों को देखना कुछ बड़ा मानने जैसा है। विज्ञान वह कविता है जो ब्रह्मांड को समझने में मदद करती है। खोज का सफर कभी खत्म नहीं होता; हर कदम और भी कुछ उजागर करता है। विश्वास करो कि तुम देखे हुए से परे देखने में सक्षम हो। हमारी सच्ची पुकार खोजने, खोजने और समझने में है।

शख्सियत

कॉर्नेलिया सोराबजी

समाज सुधार और न्याय की प्रेरणादायक मिसाल

कॉर्नेलिया सोराबजी भारतीय मूल की पहली महिला थीं जिन्होंने ब्रिटेन में लॉ की पढ़ाई की और इंग्लैंड की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उनका जन्म 15 नवंबर 1866 को महाराष्ट्र के नासिक जिले में हुआ था। उनके पिता एक मिशनरी थे और माँ, फ्रांसिना, समाज सुधारक थीं। बचपन से ही कॉर्नेलिया में समाज में बदलाव लाने की चाह थी।

कॉर्नेलिया का जीवन संघर्षों से भरा रहा। भारत में महिलाओं के अधिकारों की आवाज उठाने वाली पहली महिला वकील बनकर उन्होंने उस दौर की पारंपरिक सामाजिक धारणाओं को चुनौती दी। ऑक्सफोर्ड से स्नातक होने के बावजूद उन्हें लॉ प्रैक्टिस का लाइसेंस प्राप्त करने में काफी समय लगा। भारत वापस लौटने पर भी उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, क्योंकि उस समय महिलाओं को कानून के क्षेत्र में काम करने की अनुमति नहीं थी। कॉर्नेलिया का मुख्य उद्देश्य उन महिलाओं की सहायता करना था जिन्हें समाज से अलग कर दिया गया था। वह रूपर्दानशीनर महिलाओं की पहली कानूनी परामर्शदाता बनीं और उन्हें न्याय दिलाने के लिए अदालती कार्यवाही में शामिल किया। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों और शिक्षा पर जोर दिया और समाज में समानता लाने के लिए अनगिनत प्रयास किए। कॉर्नेलिया ने अपने जीवन में कई पुस्तकें भी लिखीं, जिनमें उनकी आत्मकथा 'बिटवीन द ट्वाइलाइट्स' खास है। अपनी पूरी जिंदगी में उन्होंने महिलाओं के अधिकारों और समानता के लिए संघर्ष किया और कई सामाजिक सुधारों में अग्रणी भूमिका निभाई। कॉर्नेलिया सोराबजी ने अपने जीवन को समाज सेवा और नारी अधिकारों के संघर्ष में समर्पित कर दिया। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि यदि हौसला और दृढ़ संकल्प हो, तो कोई भी बाधा किसी के सपनों को रोक नहीं सकती। कॉर्नेलिया सोराबजी का देहांत 6 जुलाई 1954 को हुआ था।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

भगवान शंकर और माता पार्वती भिक्षुक वेश

भगवान शंकर और माता पार्वती भिक्षुक के वेश में वहाँ पधारे जिससे सभी स्त्रियाँ उन्हें प्रणाम करने के लिए यज्ञ छोड़ कर उठ गयी। इससे उन ऋषियों को बड़ा क्रोध आया और उन्होंने अपनी सिद्धि से कई विषधर सर्पों को उत्पन्न किया और उन्हें भिक्षुक रुपी महादेव पर आक्रमण करने को कहा किन्तु भगवान शंकर ने सभी सर्पों का दलन कर दिया। .तब उन ऋषियों ने वही उपस्थित अपस्मार को उनपर आक्रमण करने को कहा। स्कन्द पुराण में ऐसा भी वर्णित है कि उन्ही साधुओं ने अपनी सिद्धियों से ही अपस्मार का सृजन किया। अपस्मार ने दोनों पर आक्रमण किया और अपनी शक्ति से माता पार्वती को भ्रमित कर दिया और उनकी चेतना लुप्त कर दी जिससे माता अचेत हो गयी। ये देख कर भगवान शंकर अत्यंत क्रुद्ध हुए और उन्होंने १४ बार अपने डमरू का नाद किया। उस भीषण नाद को अपस्मार सहन नहीं कर पाया

और भूमि पर गिर पड़ा। तत्पश्चात उन्होंने एक आलौकिक नटराज का रूप धारण किया और अपस्मार को अपने पैरों के नीचे दबा कर नृत्य करने लगे। नटराज रूप में भगवान शंकर ने एक पैर से उसे दबा कर तथा एक पैर उठाकर अपस्मार की सभी शक्तियों का दलन कर दिया और स्वयं संतुलित हो स्थिर हो गए। उनकी यही मुद्रा अंजलि मुद्रा कहलाई। उन्होंने उसका वध इसीलिए नहीं किया क्यूंकि एक तो वो अमर था और दूसरे उसके मरने पर संसार से उपेक्षा का लोप हो जाता जिससे किसी भी विद्या को प्राप्त करना अत्यंत सरल हो जाता। इससे विद्यार्थियों में विद्या को प्राप्त करने के प्रति सम्मान समाप्त हो जाता। जब उन साधुओं भगवान शंकर का वो रूप देखा तो उनका अभिमान समाप्त हो गया और वे बारम्बार उनकी स्तुति करने लगे। उन्होंने उसी प्रकार अपस्मार को निष्क्रिय रखने की प्रार्थना की ताकि भविष्य में संसार में कोई उसकी शक्तियों के प्रभाव में ना आये। नटराज रूप में महादेव ने जो १४ बार अपने डमरू का नाद किया था उसे ही आधार मान कर महर्षि पाणिनि ने १४ सूत्रों वाले रूद्राष्टाध्यायी माहेश्वर सूत्र की रचना की।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

एकाग्रता से कम समय में मिलती है अधिक सफलता

एक बार स्वामी विवेकानंद संस्कृत के विख्यात विद्वान प्रोफेसर पाल डायसन के निमंत्रण पर जर्मनी गए। दोनों के बीच उपनिषद, वेदांत दर्शन और शंकर भाष्य पर गहन चर्चा हुई। इसी बीच डायसन किसी काम से उठकर बाहर गए। उनकी अनुपस्थिति में स्वामीजी का ध्यान वहां रखी एक पुस्तक की ओर गया। डायसन जब लौटे तो उन्होंने देखा कि स्वामी जी पुस्तक पढ़ने में मग्न हैं। पूरी पुस्तक पढ़ने के उपरांत जब उन्होंने अपना सिर ऊपर उठाया, तो पाल डायसन को प्रतीक्षा करते हुए पाया। स्वामी विवेकानंद ने खेद प्रकट करते हुए कहा- 'क्षमा कीजियेगा. मैं पढ़ रहा था। मुझे आपके आने का आभास ही नहीं हुआ।' मगर डायसन को यह बात संभव नहीं लग रही थी कि स्वामीजी को उनके आने का सचमुच पता न चला हो। उनके मन के भावों को जानकर स्वामी विवेकानंद को बहुत दुख हुआ। उन्हें यह विश्वास दिलाने के लिए कि वे वाकई पढ़ रहे थे, वे उन्हें पुस्तक में लिखी कविताओं की पंक्तियां सुनाने लगे। कंठस्थ कविताओं को सुनने के बाद पाल डायसन की नाराजगी और बढ़ गई। उन्हें लगने लगा कि स्वामी विवेकानंद ने वह पुस्तक पहले से ही पढ़ी हुई थी और उनकी उपेक्षा के लिए वे उनके समक्ष पुस्तक पढ़ने का स्वांग कर रहे थे। यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने कहा, 'महोदय! किसी भी कार्य को यदि एकाग्रता से किया जाये, तो समय कम खर्च होता है और कार्य का परिणाम अधिक प्राप्त होता है। एकाग्रता बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए कोई भी कार्य एकाग्रता के साथ करना चाहिए।" डायसन को अपनी भूल का अहसास हुआ और साथ ही जीवन का एक महत्वपूर्ण पाठ भी सीखने को मिला।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : **indiagroundreport@gmail.com** **कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता पर अब 18 नवंबर को ही होगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राजधानी में वायु गुणवत्ता की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े मामले की सुनवाई तय समय से पहले करने पर सहमति दे दी। शीर्ष अदालत ने कहा कि अब इस मामले की सुनवाई 18 नवंबर को ही की जाएगी।

राष्ट्रपति से मिले उमर अब्दुल्ला

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति कार्यालय के आधिकारिक एक्स हैंडल पर अब्दुल्ला और मुर्मु की मुलाकात की एक तस्वीर साझा की गई। इससे पहले अब्दुल्ला ने बुधवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की थी। वह जल्द केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात करेंगे।

दिल्ली के मेयर चुने गए AAP के महेश कुमार खिची

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के मेयर चुनाव में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार महेश कुमार ने जीत दर्ज की है। उन्होंने बीजेपी के शकूरपुर वार्ड पार्षद किशन लाल को मात दी। महेश कुमार को 133 वोट मिले जबकि भाजपा के पार्षद को 130 वोट प्राप्त हुए, दो वोट रद्द हुए। जबकि आम आदमी पार्टी को अपने कोटे से 10 वोट कब मिले। महेश कुमार करोल बाग विधानसभा क्षेत्र के देव नगर के वार्ड 84 से पार्षद हैं। महेश ने डीयू के मोतीलाल नेहरू कॉलेज से बीकॉम की पढ़ाई की है।

मौसम विभाग ने सबरीमाला में भी मौसम का पूर्वानुमान शुरू किया

कोच्चि। सबरीमाला तीर्थयात्रा के लिए मौसम विभाग ने पहली बार अमरनाथ और चार धाम यात्रा की तरह मौसम का पूर्वानुमान शुरू किया। IMD अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि तीन दिवसीय मौसम पूर्वानुमान जारी करने के लिए सन्निधानम, पंबा और निलक्कल में तीन वर्षा गेज स्थापित किए गए हैं। आईएमडी की क्षेत्रीय निदेशक नीता के गोपाल ने कहा, इन पूर्वानुमानों को जल्द ही रियल टाइम वेदर बुलेटिन में अपग्रेड किया जाएगा, जिसे 'नाउकास्ट' के रूप में जाना जाता है।

झारखंड में कमल खिलेगा: अनुराग ठाकुर

रांची। झारखंड में एक चरण का चुनाव हो 13 नवंबर को हो चुका है। इसी को लेकर भाजपा सांसद अनुरागठाकुर ने कहा, 'मैं उन सभी मतदाताओं को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने कल झारखंड में बदलाव के लिए मतदान किया। उन्होंने कुशासन से खुद को मुक्त करने और भाजपा सरकार लाने के लिए मतदान किया। 13 नवंबर को काम हो चुका है और बाकी 20 नवंबर को पूरा कर लिया जाएगा। झारखंड में कमल खिलेगा।'

गृह मंत्रालय ने मेघालय की संस्था ह्यनीवट्रेप राष्ट्रीय मुक्ति परिषद को किया प्रतिबंधित

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने गुरुवार को एक आधिकारिक सूचना जारी करते हुए मेघालय की संस्था ह्यनीवट्रेप राष्ट्रीय मुक्ति परिषद को प्रतिबंधित कर दिया है। मंत्रालय ने यह फैसला संगठन के हिंसक घटनाओं और भारत की संप्रभुता और अखंडता के प्रति खतरनाक गतिविधि को अंजाम देने के चलते लिया है। संगठन पर पांच साल का प्रतिबंध लगाया गया है।

मणिपुर के 6 इलाकों में AFSPA फिर से लागू

केंद्र का फैसला | डेढ़ साल से जारी हिंसा में 200 से ज्यादा लोग जान गंवा चुके

एजेंसी । इंफाल

मणिपुर के 5 जिलों के 6 थानों में फिर से आर्म्ड फोर्सेस स्पेशल प्रोटेक्शन एक्ट (AFSPA) लागू कर दिया गया है। यह 31 मार्च 2025 तक प्रभावी रहेगा। गृह मंत्रालय ने गुरुवार को इसका आदेश जारी किया। मंत्रालय ने कहा कि इन इलाकों में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के चलते फैसला लिया गया। AFSPA लागू होने से सेना और अर्ध-सैनिक बल इन इलाकों में कभी भी किसी को भी पूछताछ के लिए हिरासत में ले सकते हैं। गृह मंत्रालय के आदेश में इम्फाल पश्चिम जिले का सेकमई और लमसांग, इम्फाल पूर्व जिले का लाम्लाई, जिरिबाम जिले का जिरिबाम, कांगपोकपी का लेइमाखोंग और बिष्णुपुर जिले का मोइरंग थाना शामिल है।

AFSPA में बिना वारंट गिरफ्तारी का अधिकार

AFSPA को केवल अशांत क्षेत्रों में लागू किया जाता है। इन जगहों पर सुरक्षाबल बिना वारंट के किसी को भी गिरफ्तार कर सकते हैं। कई मामलों में बल प्रयोग भी हो सकता है। पूर्वोत्तर में सुरक्षाबलों की सहूलियत के लिए 11 सितंबर 1958 को यह कानून पास किया गया था। 1989 में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बढ़ने पर यहां भी 1990 में AFSPA लागू कर दिया गया। अशांत क्षेत्र कौन-कौन से होंगे, ये भी केंद्र सरकार ही तय करती है।

अब राज्य के 13 इलाकों में AFSPA लागू नहीं

केंद्र सरकार के इस आदेश के बाद अब राज्य के 13 इलाके ही AFSPA से बाहर हैं। इससे पहले 1 अक्टूबर को मणिपुर सरकार ने इम्फाल, लाम्फल, सिटी, सिंगजमई, सेकमई, लमसांग, पटसोई, वांगोई, पोरोमपाट, हेइंगांग, लाम्लाई, इरिलबंग, लेइमाखोंग, थौबाल, बिश्नुपुर, नंबोल, मोइरंग, काकचिंग, और जिरिबाम को AFSPA से बाहर रखा गया था। सोमवार को मणिपुर के जिरिबाम जिले में सुरक्षा बलों के साथ एनकाउंटर में 10 संदिग्ध उग्रवादी मार गिराए थे। उग्रवादियों ने पुलिस स्टेशन और पास के CRPF कैंप पर अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोलियां चलाईं। अगले ही दिन जिरिबाम जिले से उग्रवादियों ने छह नागरिकों (महिलाएं और बच्चे शामिल) का अपहरण कर लिया था।

भड़काऊ भाषणों के खिलाफ दायर याचिका सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सार्वजनिक स्तर पर नेताओं के भड़काऊ भाषण के खिलाफ कार्रवाई को लेकर दायर जनहित याचिका खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता वकील से कहा कि हेट स्पीच और गलत बयान में अंतर है। दोनों अलग-अलग चीजें हैं। यदि याचिकाकर्ता को कोई विशेष शिकायत है तो वह कानून के अनुसार मुद्दे को उठा सकते हैं। कोर्ट ने मामले में याचिका पर नोटिस जारी करने से इन्कार कर दिया।

'नफरत भरे भाषणों और गलत बयानों के बीच अंतर'

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि नफरत भरे भाषणों और गलत बयानों के बीच अंतर है। हम भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत याचिका पर विचार करने में रुचि नहीं रखते हैं। हम याचिका के गुण और दोष पर कोई टिप्पणी नहीं कर रहे हैं।

क्या है याचिका में ?

याचिका में कहा गया था सार्वजनिक हस्तियों के भड़काऊ भाषणों के मामले में तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है। भड़काऊ बयान राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा को खतरे में डालते हैं। साथ ही सामाजिक बंटवारा करने की विचारधारा को बढ़ाते हैं। कोर्ट से अपील की गई कि वह ऐसी बयानबाजी को रोकने के लिए निर्देश तैयार करने के लिए सरकार से कहे। साथ ही गलत बयान देने वालों के लिए दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान किया जाए।

चार लोगों ने मिलकर प्रेगनेंट डॉग की बेरहमी से की पिटाई

सोशल मीडिया पर लोगों का फूटा गुस्सा

एजेंसी । नई दिल्ली

तेलंगाना से पशु क्रूरता का एक भयावह मामला सामने आया है। तीन लोगों ने मिलकर चार आवारा डॉग्स को पकड़ लिया और बेरहमी से लाठियों से पीटा। इस घटना में तीन डॉग्स की मौत हो गई, जिसमें एक गर्भवती भी थी। जहां तीन लोगों के एक समूह ने चार गली के डॉग्स को पकड़ लिया और बेरहमी से लाठियों से पीटा, जिससे तीन कुत्ते की मौत हो गई, जिनमें से एक गर्भवती भी थी।

घटना का वीडियो हुआ वायरल

मंगलवार को मेडचल-मलकाजगिरी जिले के जवाहरनगर शहर में हुई इस घटना का वीडियो वायरल हो गया है। इस घटना पर पशु अधिकार कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जाहिर की है। अधिकारियों ने कहा कि डॉग्स पर हमले के पीछे का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं है। वीडियो में डॉग्स को जाल में फंसा हुआ देखा जा सकता है और उन्हें बेरहमी से पीटा जा रहा है। आवारा डॉग्स को जब पीटा जा रहा था तो राहगीर मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रहे थे। पिटाई की वजह से तीन डॉग्स की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथा गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी आंख बाहर निकल आई। घायल कुत्ते का अभी इलाज चल रहा है।

अब तक मामला दर्ज नहीं किया गया

कई पशु अधिकार कार्यकर्ताओं ने इस क्रूर हमले के संबंध में पुलिस से संपर्क किया है, लेकिन बुधवार शाम तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है और न ही दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई है।

आप विधायक अमानतुल्लाह खान को बड़ी राहत

कोर्ट ने दिया रिहा करने का आदेश

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली वक्फ बोर्ड में अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ओखला से आम आदमी पार्टी (आप) विधायक अमानतुल्लाह खान को कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने गुरुवार को आप विधायक को रिहा करने का आदेश जारी किया है। राउज ऐवन्यू कोर्ट ने गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दाखिल सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर संज्ञान लेने से फिलहाल इनकार कर दिया। कोर्ट ने उन्हें एक लाख रुपए के बॉन्ड पर रिहा करने का निर्देश दिया। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि मामले में मरियम सिद्दीकी के खिलाफ भी कोई सबूत नहीं है।

क्या है दिल्ली वक्फ बोर्ड घोटाला, जिसमें AAP विधायक अमानतुल्लाह खान हुए थे गिरफ्तार

इससे पहले 29 अक्टूबर को प्रवर्तन निदेशालय ने अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले अमानतुल्लाह खान के विरुद्ध पूरक आरोप पत्र दायर किया था। ईडी द्वारा दायर 110 पेज के पूरक आरोपपत्र में मरियम सिद्दीकी का भी नाम शामिल था। हालांकि, इस मामले में मरियम सिद्दीकी को आरोपित के रूप में गिरफ्तार नहीं किया था।

मुडा जमीन आवंटन घोटाला में ईडी ने तेज की जांच

पूर्व अध्यक्ष के मैरीगौड़ा से की गई पूछताछ

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक के मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) जमीन आवंटन मामले में ईडी ने जांच तेज कर दी है। सीएम सिद्धारमैया, उनकी पत्नी से पूछताछ के बाद मुडा के पूर्व अध्यक्ष के मैरीगौड़ा से पूछताछ की गई। मैरीगौड़ा ने शांतिनगर स्थित केंद्रीय एजेंसी के कार्यालय पहुंचकर अपने बयान दर्ज कराए। इससे पहले बुधवार को ईडी ने रायचूर के कांग्रेस सांसद जी कुमार नाइक, एक पूर्व आईएएस अधिकारी और सिद्धारमैया के निजी सहायक सीटी कुमार से कई घंटों तक पूछताछ की थी।

मैरीगौड़ा चेयरमैन पद से दे चुके हैं इस्तीफा

के मैरीगौड़ा ने पिछले महीने स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए मुडा के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा था कि मुझे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थी, जिसके कारण मैंने इस्तीफा दिया। मेरे पर कोई दबाव नहीं बनाया गया।

हाई कोर्ट ने एक साथ 99 लोगों को दी SC-ST ऐक्ट से राहत

98 को मिली थी उम्रकैद की सजा

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक हाई कोर्ट ने एससी-एसटी ऐक्ट में दोषी करार दिए गए 101 लोगों में से एक साथ 99 लोगों को जमानत दे दी है। एक महीने पहले ही राज्य के माराकुंबी गांव में दलितों के खिलाफ हिंसा और उत्पीड़न के केस में 101 लोगों को दोषी ठहराया गया था। अब इन्हें अदालत ने इस आधार पर राहत दी है कि यह मामला 10 साल पुराना है, लेकिन दोषी ठहराए गए इन लोगों ने केस पर असर डालने वाली कोई हरकत नहीं की है। ऐसे में इनके जेल से बाहर रहने से केस पर कोई खास असर नहीं होगा। इसी को आधार बनाते हुए कोर्ट ने इन लोगों को 1 लाख रुपए के मुचलके पर जमानत दे दी।

CJI संजीव खन्ना ने बनाया नया रोस्टर रिस्टम

केवल 3 बेंच सुनेंगी जनहित याचिकाएं | CJI यूयू ललित के समय 16 बेंच को अलॉट होती थीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के 51वें CJI संजीव खन्ना ने मामलों की सुनवाई को लेकर बनाए जाने वाले रोस्टर में बदलाव किया है। 11 नवंबर को पद संभालने के बाद CJI खन्ना ने फैसला लिया कि CJI और दो सीनियर जजों की अध्यक्षता वाली पहली तीन बेंच लेटर पिटीशन और जनहित याचिकाओं (PIL) की सुनवाई करेंगी। केस अलॉटमेंट के नए रोस्टर के तहत सुप्रीम कोर्ट को लिखे लेटर पर आधारित याचिकाओं और PIL की सुनवाई CJI खन्ना, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच करेंगी। पूर्व CJI यूयू ललित सभी 16 बेंच को जनहित याचिकाएं सुनवाई के लिए अलॉट कर रहे थे। हालांकि उनके उत्तराधिकारी रहे CJI चंद्रचूड़ ने इस प्रथा को बंद कर दिया था।

केस अलॉटमेंट रोस्टर में यह बदलाव हुए

- लेटर पिटीशन और PIL के अलावा, सबजेक्ट के आधार पर CJI की बेंच ज्यादातर मुद्दों पर सुनवाई करेगी। इसमें सामाजिक न्याय, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति के चुनाव से जुड़े विवाद, सांसदों और विधायकों के चुनाव से जुड़े मामले, बंदी प्रत्यक्षीकरण और मध्यस्थता के मामले शामिल हैं।
- जस्टिस कांत की अध्यक्षता वाली बेंच चुनाव से जुड़ी याचिकाओं पर भी सुनवाई करेगी।
- जस्टिस जेबी पारदीवाला, सामान्य दीवानी मामलों के अलावा डायरेक्ट-इनडायरेक्ट टैक्स मामलों पर भी सुनवाई करेंगे।

चिंताजनक | वैज्ञानिकों ने दी 'भूकंप' की चेतावनी, बारीकी से नज़र रख रहे हैं खगोलविद

पृथ्वी की तरफ तेजी से बढ़ रहा 'अंतरिक्ष का हत्यारा'

एजेंसी । वाशिंगटन

अंतरिक्ष आज भी वैज्ञानिकों के लिए पहेली बना हुआ है। पृथ्वी के अलावा ब्रह्मांड में असंख्य ग्रह और क्षुद्रग्रह हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि एक क्षुद्रग्रह अपोसिस धरती की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। ऐसा अनुमान जताया गया है कि जब यह धरती के नजदीक होगा तो गुरुत्वार्षण के कारण खगोलीय भूकंप आ सकता है, जो कई परमाणु बमों के विस्फोट से निकली ऊर्जा के बराबर होगा। वैज्ञानिक पिछले 20 साल से इस क्षुद्रग्रह का अध्ययन कर रहे हैं। क्षुद्रग्रह के 13 अप्रैल 2029 में धरती के पास से गुजरने की संभावना है। इसे तबाही का देवता या अंतरिक्ष का हत्यारा उपनाम दिया गया है।

नया बाईपास रेलवे हॉल्ट बनने से

गोग्रह की खोज 2004 में की थी। तब से खगोलविद अपोफिस पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 2029 में यह धरती के पास से होकर गुजरेगा। वैज्ञानिकों ने यह भी बताया कि इसके धरती से टकराने की संभावना 2.7 प्रतिशत है। जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी एप्लाइड फिजिक्स लैबोरेटरी के वैज्ञानिक रोनाल्ड-लुई बैलौज़ के नेतृत्व में एक टीम अपोफिस पर बारीकी से नजर रख रही है।

वैज्ञानिकों ने क्या अनुमान जताया

वैज्ञानिकों के अनुसार, 2029 में जब यह क्षुद्रग्रह धरती के पास से गुजरेगा तो गुरुत्वार्षण बल के कारण इस क्षुद्रग्रह में भूकंप आ सकता है। इसे खगोलीय भूकंप कहा जा रहा है। खगोलीय भूकंप या अंतरिक्ष भूकंप पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में होने वाला भूकंप होता है। वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव की जांच की है तो पता लगाया कि ऐसी घटना तब होगी, जब यह हमारे ग्रह से 19000 मील की दूरी पर आ जाएगा।

कई परमाणु बमों के बराबर विस्फोट

13 अप्रैल, 2029 को पृथ्वी के पास से गुजरने वाला क्षुद्रग्रह अपोफिस ₹अंतरिक्ष हत्यारा₹ है। यह क्षुद्रग्रह बेहद विशाल है, इसका आकार न्यूयॉर्क के 102 मंजिला एम्पायर स्टेट इमारत के बराबर है। अपोफिस की लंबाई 1230 फीट है। यदि यह पृथ्वी से टकराता है, तो इसके प्रभाव से कई परमाणु बमों के बराबर ऊर्जा निकलेगी, जिससे सैकड़ों मील तक विनाश होने की संभावना है।

अजब गजब : आदमखोर तेंदुए को आजीवन कारावास की सजा

एजेंसी । सूरत

सूरत जिले में कम से कम तीन लोगों को मौत के घाट उतारने के जुर्म में एक तेंदुए को 'आजीवन कारावास' की सजा सुनाई गई है। रविवार को सूरत के मांडवी के पास एक सप्ताह तक चले अभियान के बाद पकड़े गए तेंदुए को वन विभाग ने यह सजा सुनाई। इस तेंदुए ने जिले के गांवों में आतंक मचा रखा था। अधिकारियों ने बताया कि तेंदुआ अपना शेष जीवन उसी जिले के झंखवाव स्थित पुनर्वास केंद्र में बिताएगा। सूरत के उप वन संरक्षक आनंद कुमार ने बताया कि जब कोई जानवर मनुष्यों पर हिंसक हमला करने का आदी हो जाता है, तो उसे खुले में नहीं रखा जा सकता। कुमार ने कहा कि वन विभाग के नियमों के अनुसार, ऐसे जानवरों को पुनर्वास केंद्रों में रखा जाता है। इंसानों पर हिंसक हमले करने वाले इस तेंदुए को बचा लिया गया है और अब उसे पुनर्वास केंद्र में रखा जाएगा।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

खबर संक्षेप

नमो घाट पर पर्यटकों को रिझा रहा 75 फीट का 'नमस्ते'

वाराणसी। उदयागामी भगवान भास्कर का अभिवादन करता नमो घाट का 75 फीट ऊंचा नमस्ते स्कल्पचर पर्यटकों को लुभा रहा है। देव दीपावली के अवसर पर उपराष्ट्रपति नमो घाट को जनता को समर्पित करेंगे। सुबह-ए-बनारस का लुत्फ अब पर्यटक विश्व स्तरीय सुविधाओं वाले खुबसूरत नमो घाट से भी ले सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं वाला नमो घाट बन कर तैयार हो गया है। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का 15 नवंबर को नमो घाट का औपचारिक उद्घाटन करना प्रस्तावित है। इस मौके पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी भी मौजूद रहेंगे। नमो घाट काशी के घाटों की श्रृंखला में जुड़ गया है। यह वाराणसी के पहले मॉडल घाट के रूप में जुड़ा है। इसका विस्तार नमो घाट से आदिकेशव घाट (लगभग 1.5 किलोमीटर) तक हुआ है। घाट की बनावट और अंतरराष्ट्रीय सुविधा के साथ नमस्ते का स्कल्पचर पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। जल, थल और नभ से जुड़ने वाला यह पहला घाट होगा, जहां हेलीकॉप्टर भी उतारा जा सकता है।

पटना में मिला अज्ञात महिला का शव

पटना। पटना जिला के खुसरूपुर थाने की पुलिस ने अज्ञात महिला का शव बरामद किया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए NMCH भेज दिया है। घटना खुसरूपुर थाना क्षेत्र के जगमाल बीघा गांव के दक्षिण पश्चिम सुदूर टोला की है। महिला का शव बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। महिला की गर्दन, हाथ और पैर के भाग उसके शरीर से अलग था। देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा था कि हथियार द्वारा क्रूरता पूर्वक महिला की हत्या कर ठिकाने लगाया गया है।

आयकर विभाग ने गाड़ी से जब्त किए 25 लाख रुपए

रांची। आयकर विभाग ने नाटकीय अंदाज में देवड़ी मोड़ के पास एक गाड़ी की स्टेपनी में छिपाकर रखे गए 25 लाख रुपए जब्त कर लिए। हालांकि पुलिस को जांच के दौरान उस गाड़ी से रुपए नहीं मिले थे। आयकर विभाग फिलहाल रुपए के स्रोतों की जांच कर रहा है। आयकर विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि एक गाड़ी देवघर से धनबाद की तरफ जा रही है। उसमें रुपए ले जाए जा रहे हैं। आयकर विभाग ने वक्त की कमी के कारण देवघर से धनबाद जाने वाले सभी रास्तों की जानकारी गूगल मैप से ली। इसके बाद पुलिस को गाड़ी में रुपए होने की सूचना दी, वहीं आयकर विभाग की क्विक रिस्पॉन्स टीम को गूगल मैप के अनुसार देवघर के सभी रास्तों पर नजर रखने का निर्देश दिया।

प्रतियोगी छात्रों के आंदोलन के आगे झुका आयोग

एक दिन में कराई जाएगी पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा

एजेंसी । प्रयागराज

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) छात्रों के आंदोलन के आगे झुक गया है। आयोग ने छात्रों की वन डे वन शिफ्ट की मांग मान ली है। इसके लिए छात्र चार दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को बवाल काफी बढ़ने के बाद आयोग को यह फैसला करना पड़ा। आयोग के भीतर हुई बैठक में जिलाधिकारी, कमिश्नर समेत तमाम अधिकारी मौजूद रहे। कई घंटे चली बैठक के बाद आयोग ने छात्रों के पक्ष में फैसला लिया। फिलहाल पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा एक दिन में कराने की मांग मानी गई है। आरओ-एआरओ पर फैसला कमेटी के रिपोर्ट के बाद होगा। पीसीएस परीक्षा सात और आठ दिसंबर को प्रस्तावित है। अब इसे एक दिन में कराने के लिए नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा।

आयोग के पास इसके अलावा नहीं था कोई रास्ता

छात्रों की मांग मानने के अलावा आयोग के पास कोई रास्ता नहीं था। छात्र एक ही मांग पर अड़े थे कि परीक्षा एक दिन एक ही शिफ्ट में कराई जाए। मांग मानने के बावजूद आयोग ने अभी तक नोटिस जारी नहीं किया है। छात्रों को नोटिस का इंतजार है। आयोग के सचिव के अनुसार पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा एक दिन में कराई जाएगी, जबकि आरओ-एआरओ प्रारंभिक परीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया जाएगा। समीक्षा अधिकारी सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा के संबंध में कमेटी अगला निर्णय लेगी।

फिलहाल धरना नहीं हुआ है स्थगित

सचिव की घोषणा के बाद भी प्रतियोगी छात्रों का धरना खत्म नहीं हुआ है। छात्र आरओ-एआरओ परीक्षा एक दिन में कराने और पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा एक दिन में कराने का नोटिस जारी करने की मांग पर अड़े हैं।

पहली बार दो दिन में कराई जा रही थीं परीक्षाएं

आयोग के इतिहास में पीसीएस और आरओ-एआरओ की परीक्षा पहली बार दो दिन में कराने का शेड्यूल जारी किया गया था। इससे पहले पीसीएस और आरओ/एआरओ परीक्षाएं एक ही दिन में करा ली जाती थीं और परीक्षा के लिए पंजीकृत सभी अभ्यर्थी एक ही शिफ्ट में परीक्षा देते थे। ऐसे में एक समान मूल्यांकन की अलग से कोई जरूरत ही नहीं पड़ती थी। पहली बार परीक्षाएं दो दिन में होंगी, इसके कारण आयोग को नॉर्मलाइजेशन की प्रक्रिया अपनानी पड़ी।

सोमवार से शुरू हुआ था आंदोलन

पीसीएस और आरओ-एआरओ परीक्षा दो-दो दिन में कराने के आयोग की घोषणा के बाद सोमवार से छात्रों ने आंदोलन शुरू कर दिया था। सोशल मीडिया साइट्स एक्स पर चलाए गए कैंपेन में करीब ढाई लाख छात्र शामिल हुए थे और यह एक्स पर एक नंबर पर ट्रेंड करता रहा।

छात्रों के हित में सीएम योगी की पहल

पिछले कुछ दिनों से पीसीएस और अन्य चयन परीक्षाओं को लेकर छात्रों के बीच असंतोष की स्थिति थी। छात्रों की मांग थी कि पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा को एकाधिक पालियों में कराने के बजाय एक ही दिन में संपन्न कराया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छात्रों की इन मांगों का संज्ञान लेते हुए आयोग को निर्देश दिया कि वह छात्रों के साथ संवाद स्थापित कर आवश्यक निर्णय ले। आयोग ने मुख्यमंत्री के निर्देश पर छात्रों से संवाद किया और उनकी मांगों पर विचार करते हुए यह निर्णय लिया कि पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 2024 पूर्व की भांति एक ही दिन में आयोजित की जाएगी।

पीसीएस में 1575154 और आरओ-एआरओ में 1076004 अभ्यर्थी हैं पंजीकृत

पीसीएस परीक्षा के लिए 5,75,154 अभ्यर्थी और आरओ/एआरओ परीक्षा के लिए 10,76,004 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। शासन की ओर से 19 जून 2024 को आदेश जारी किया गया था कि एक पाली में अधिकतम पांच लाख अभ्यर्थी हों। इससे अधिक परीक्षार्थी होने पर कई पालियों में परीक्षा कराई जाए। पीसीएस और आरओ/एआरओ परीक्षा के लिए पांच लाख से अधिक अभ्यर्थी पंजीकृत हैं।

सीएम योगी की पहल पर आयोग का फैसला, एक ही दिन होगी पीसीएस परीक्षा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने प्रयागराज में प्रदर्शन कर रहे प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थियों की मांगों को ध्यान में रखते हुए बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री की पहल पर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने आगामी पीसीएस (प्रारंभिक) परीक्षा 2024 को एक ही दिन में आयोजित करने का फैसला किया है। इस निर्णय से प्रतियोगी परीक्षा देने वाले लाखों छात्रों को राहत मिली है।

वाराणसी में लापता हुए चार बच्चे

खोजबीन में जुटी पुलिस

एजेंसी । वाराणसी

वाराणसी के काशी रेलवे स्टेशन के समीप झोपड़ी में रह कर पत्ता बेचने वाले दो परिवार के चार बच्चे गुरुवार को अचानक लापता हो गए। परिजनों की सूचना के आधार पर आदमपुर थाने की पुलिस की तीन टीम चारों बच्चों की खोजबीन में जुटी हुई है। सोनभद्र के राबर्ट्सगंज का रहने वाला बलिराम और चंदौली जिले के बुहेर निवासी बिहारी काशी रेलवे स्टेशन के समीप झोपड़ी में परिवार के साथ रह कर पत्ता बेचने का काम करते हैं। गुरुवार को बलिराम का बेटा कल्लू (7) व बेटी खुशबू (2) और बिहारी का बेटा गोलू (6) व बेटी ज्योति (12) अचानक लापता हो गए। परिजनों की खोजबीन के बाद भी चारों बच्चों का पता नहीं लगा तो सूचना पुलिस को दी गई। उधर, इस संबंध में आदमपुर थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सोनकर ने बताया कि परिजनों की सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम सिटी कमांड कंट्रोल से कनेक्टेड इलाके के सीसी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। एक टीम इलाके के निजी सीसी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस की एक अन्य टीम स्थानीय स्तर पर बच्चों के संबंध में लोगों से पूछताछ कर उनका पता लगाने के लिए लगाई गई है। पूरी उम्मीद है कि चारों बच्चे जल्द ही अपने परिजनों के पास होंगे।

न आते हैं यात्री, न उड़ती है फ्लाइट्स

सिर्फ नाम के लिए है पटना में इंटरनेशल एयरपोर्ट

एजेंसी । पटना

बिहार की राजधानी पटना में मौजूद लोकनायक जयप्रकाश नारायण एयरपोर्ट को लेकर चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक सितंबर महीने में पटना से एक भी इंटरनेशनल फ्लाइट ऑपरेट नहीं हुई है। न ही यहां पर एक भी इंटरनेशनल पैसेंजर पहुंचा। हालांकि सिर्फ पटना नहीं देश के करीब 15 एयरपोर्ट की हालात ऐसी ही है। बिहार के पटना और गया एयरपोर्ट को इंटरनेशल एयरपोर्ट का दर्जा मिला हुआ है। लेकिन यहां से सितंबर महीने में न तो एक भी इंटरनेशनल फ्लाइट ऑपरेट हुई है और न ही यहां पर एक भी इंटरनेशनल यात्री पहुंचा है। हालांकि नवंबर महीने में जरूर गया एयरपोर्ट पर विदेशी यात्रियों का आगमन हुआ है। एयरपोर्ट एथॉरिटी ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, देश के कुल 15 इंटरनेशल एयरपोर्ट्स से सितंबर महीने में एक भी इंटरनेशनल फ्लाइट ऑपरेट नहीं हुई है। इन एयरपोर्ट्स में इंफाल, कुशीनगर, पोर्ट ब्लेयर, राजकोट, तिरुपति, शिरडी, अगरतला, औरंगाबाद, गया, बड़ोदरा, भावनगर, जाम नगर, श्रीनगर, पटना और भोपाल का नाम शामिल है।

हजारों किसानों को तीन साल तक नहीं मिलेगा सरकारी लाभ

पटना। बिहार में धान की कटनी शुरू हो गयी है। किसान हाथ के अलावा कंबाइन हार्वेस्टर से भी धान की कटनी करवा रहे हैं। हार्वेस्टर से कटनी के बाद किसान बचे हुए अवशेषों को खेतों में जला देते हैं जो नियम के खिलाफ है। ऐसे किसानों के विरुद्ध विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। फसल अवशेष जलाने वाले राज्य के 3105 किसानों को सरकारी लाभ से वंचित कर दिया गया है। ऐसे किसान धान खरीद के साथ-साथ किसान डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से विभिन्न योजनाओं के लिए मिलने वाले अनुदान भी नहीं ले पाएंगे। कृषि यांत्रीकरण के सहायक निदेशक डॉ दीपक कुमार ने इसकी बात जानकारी देते हुए बताया कि खेतों में पराली जलाने वाले किसानों पर विशेष नजर रखी जायेगी।

व्यापार जगत

सेंसेक्स 110 अंक गिरकर 77,580 पर बंद

निफ्टी भी 26 अंक गिरा, BSE स्मॉलकैप में 429 अंक की तेजी रही

एजेंसी । मुंबई

सेंसेक्स 14 नवंबर को 110 अंक की गिरावट के साथ 77,580 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 26 अंक की गिरावट रही, ये 23,532 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, BSE स्मॉलकैप 429 अंक चढ़कर 52,381 पर बंद हुआ। सेंसक्स के 30 शेयरों में से 17 में गिरावट और 13 में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 29 में गिरावट और 21 में तेजी रही। NSE के सेक्टोरल इंडेक्स के FMCG सेक्टर सबसे ज्यादा 1.53% गिरा। जबकि, मीडिया सेक्टर में सबसे ज्यादा 2.26% की तेजी रही।

आज भी बाजार में रही थी गिरावट

इससे पहले 13 नवंबर को सेंसेक्स 984 अंक गिरकर 77,690 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 324 अंक की गिरावट थी, ये 23,559 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, BSE स्मॉलकैप 1,651 अंक गिरकर 51,952 पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में गिरावट और 4 में तेजी थी। निफ्टी के 50 शेयरों में से 44 में गिरावट और 6 में तेजी थी। NSE के सभी सेक्टोरल इंडेक्स में गिरावट देखने को मिली थी।

निवा बूपा हेल्थ-इंश्योरेंस का शेयर 6.08% ऊपर ₹78.5 पर लिस्ट

इश्यू प्राइस ₹74 था, 1.90 गुना सब्सक्राइब हुआ था प्राइवेट हेल्थ इंश्योरर का IPO

एजेंसी । मुंबई

निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड का शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) पर इश्यू प्राइस से 6.08% ऊपर 78.5 पर लिस्ट हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) पर शेयर इश्यू प्राइस से 5.5% ऊपर 78.14 पर लिस्ट हुआ। कंपनी ने IPO का ऊपरी इश्यू प्राइस 74 प्रति शेयर रखा था। प्राइवेट हेल्थ इंश्योरर निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस का IPO 7 नवंबर से 11 नवंबर तक बोली लगाने के लिए ओपन था। तीन कारोबारी दिनों में IPO टोटल 1.90 गुना सब्सक्राइब हुआ था। रिटेल कैटेगरी में 2.88 गुना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIB) में 2.17 गुना और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (NII) कैटगरी में 0.71 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

₹2,200 करोड़ का था निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस का इश्यू

निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस का ये इश्यू टोटल 2,200 करोड़ का था। इसके लिए निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस 800 करोड़ के 108,108,108 फ्रेश शेयर इश्यू किए। जबकि, कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी OFS के जरिए 1,400 करोड़ के 189,189,189 शेयर बेचे। निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 70-74 तय किया था। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 200 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते थे। यदि आप IPO के अपर प्राइज बैंड 74 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते, तो इसके लिए 14,800 इन्वेस्ट करने होते। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 2600 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते थे। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 192,400 इन्वेस्ट करने होते।

भारत 6.5-7 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि करेगा: एसएंडपी

एजेंसी । नई दिल्ली

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारतीय अर्थव्यवस्था के मार्च 2027 तक तीन वित्त वर्षों में सालाना 6.5-7 प्रतिशत के बीच बढ़ने का गुरुवार को अनुमान लगाया। बुनियादी ढांचे पर खर्च और निजी खपत से वृद्धि को गति मिलना इसकी मुख्य वजह रहेगी। अपनी वैश्विक बैंक परिदृश्य रिपोर्ट में एसएंडपी ने कहा कि अच्छी आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता को समर्थन देना जारी रखेंगी, जबकि स्वस्थ कॉर्पोरेट बही-खाते, सख्त 'अंडरराइटिंग' मानक और बेहतर जोखिम प्रबंधन प्रथाएं परिसंपत्ति गुणवत्ता को और स्थिर करेंगी। एसएंडपी ने कहा, भारत का बुनियादी ढांचा व्यय और निजी खपत मजबूत आर्थिक वृद्धि को समर्थन देगा। हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025-2027 में जीडीपी में सालाना 6.5-7.0 प्रतिशत की वृद्धि होगी। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आर्थिक वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो 2023-24 के 8.2 प्रतिशत से कम है।

खुदरा के बाद थोक महंगाई ने भी दिया तेज झटका

एजेंसी । नई दिल्ली

खुदरा के बाद थोक महंगाई ने भी जेब को तेज झटका दिया है। थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति अक्तूबर में बढ़कर चार महीने के उच्च स्तर 2.36 प्रतिशत पर पहुंच गई, जबकि, सितंबर में यह 1.84 प्रतिशत दर्ज की गई थी। वहीं, एक साल पहले यह शून्य से नीचे (-0.26) थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि खाद्य वस्तुओं

खासकर, सब्जियों, आलू, तिलहन और विनिर्मित वस्तुओं के दाम बढ़ने से थोक महंगाई में उछाल आया है। इससे पहले खुदरा महंगाई अक्तूबर में 14 माह के उच्चस्तर पर पहुंचकर 6.21 फीसदी रही थी। आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति अक्तूबर में बढ़कर 13.54 प्रतिशत हो गई, जबकि सितंबर में यह 11.53 प्रतिशत थी। सब्जियों की मुद्रास्फीति में 63.04 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि सितंबर में यह 48.73 प्रतिशत थी। आलू तथा प्याज की मुद्रास्फीति अक्टूबर में क्रमशः 78.73 प्रतिशत और 39.25 प्रतिशत के उच्च स्तर पर रही। ईंधन और बिजली श्रेणी की मुद्रास्फीति अक्तूबर में 5.79 प्रतिशत रही जो सितंबर में 4.05 प्रतिशत की थी। विनिर्मित वस्तुओं में अक्तूबर में मुद्रास्फीति 1.50 प्रतिशत रही, जबकि पिछले महीने यह एक प्रतिशत थी। थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति में अक्तूबर में लगातार दूसरे महीने वृद्धि देखी गई। अक्तूबर से पहले जून 2024 में यह सर्वाधिक 3.43 प्रतिशत रही थी। दालों के थोक दाम में नरमी जारी है। अक्तूबर में दालों की महंगाई दर 9.74 प्रतिशत रही, जो सितंबर में 12.99 फीसदी थी।

मुकेश अंबानी दुनिया के 100 शीर्ष प्रभावशाली लोगों में इकलौते भारतीय

एजेंसी । नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्री के चेयरमैन मुकेश अंबानी फॉर्च्यून की 100 शीर्ष प्रभावशाली कारोबारियों की सूची में शामिल इकलौते भारतीय हैं। दुनिया के प्रभावशाली लोगों की सूची में पहला स्थान टेस्ला के मालिक एलन मस्क का हैं। फॉर्च्यून की नई सूची में 40 देशों के ऐसे कारोबारी हैं जिनकी उम्र 30 से 90 साल तक है। इस सूची में मुकेश अंबानी का

12वां नंबर है। उनसे पहले 11वें स्थान पर अमेजन के मालिक जेफ बेजोस और 10वें पायदान पर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई हैं। सूची में दूसरा स्थान एनवीडिया के सीईओ जेनसेन हुआंग और तीसरा स्थान माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला का है।

चुनौतियों के बावजूद अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही : दास

एजेंसी । मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने कहा है कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था सुचारू तरीके से आगे बढ़ रही है। गुरुवार को एक कार्यक्रम में दास ने कहा, अक्तूबर में सकल मुद्रास्फीति केंद्रीय बैंक के छह प्रतिशत के लक्ष्य से अधिक रही है। मुद्रास्फीति में समय-समय पर उतार-चढ़ाव के बावजूद इसके कम होने की उम्मीद है। गवर्नर ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था ने हाल के दिनों में लंबे समय तक जारी उथल-पुथल के दौर में भी बहुत अच्छी तरह से काम किया है और जुझारू क्षमता दिखाई है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में अभी कई तरह की बाधाएं हैं, जैसे बॉण्ड प्रतिफल में वृद्धि, जिंस कीमतों में उतार-चढ़ाव तथा बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिम लेकिन इसके बावजूद वित्तीय बाजारों ने मजबूती दिखाई है।

टी-20 सीरीज: दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथा और निर्णायक मुकाबला आज

नंबर गेम

- 160 सर्वाधिक रन सीरीज में 80 की औसत और 170.21 की स्ट्राइक रेट से बना चुके हैं तिलक
- 10 विकेट वरुण 8 की इकोनॉमी से और 9.36 की औसत से अब तक चटका चुके हैं
- 4 मुकाबले दोनों ने वांडरर्स में खेले हैं जिसमें से भारत ने तीन और दक्षिण अफ्रीका ने एक जीता है

संजू और अभिषेक से अच्छी शुरुआत की उम्मीद

तिलक एक और बड़ी पारी खेलने को होंगे बेताब

वांडरर्स में सीरीज मुट्ठी में करने उतरेगा भारत

एजेंसी | जोहानिसबर्ग

भारतीय टीम शुक्रवार को वांडरर्स स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे और अंतिम टी-20 के में जीत के साथ सीरीज मुट्ठी में करने उतरेगी। भारतीय टीम को तिलक वर्मा से एक और धमाके की उम्मीद होगी। उन्होंने सीरीज में अब तक तीनों मैचों में बल्ले से शानदार खेल दिखाया है। जबकि अन्य बल्लेबाजों ने निरंतरता का अभाव रहा है। पहले मैच में संजू सैमसन ने तो दूसरे में हार्दिक पांड्या ने कुछ दम दिखाया। तीसरे में तिलक के साथ लय तलाश रहे अभिषेक शर्मा ने भी अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम प्रबंधन की चिंता को कुछ कम किया। लगातार दो बार शून्य पर आउट होने वाले संजू सैमसन इन सब को भूलकर अभिषेक के साथ मिलकर टीम को ठोस शुरुआत दिलाने को बेताब होंगे।

आमने-सामने

कुल मैच :	30
भारत जीता :	17
दक्षिण अफ्रीका जीता :	12
बेनतीजा :	1

रिंकू बढ़ा रहे चिंता

सिक्सर किंग के नाम से मशहूर बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह की खराब फॉर्म भी टीम की चिंता बढ़ा रही है। ऐसा लग रहा है कि छठे या सातवें नंबर पर उतरने से वह सहज होकर खेल नहीं पा रहे हैं। वह दो मैचों में छठे और एक में सातवें नंबर पर उतरे और 9.33 की औसत से 28 रन ही बना सके। निचले क्रम पर उतरने से 11, 9 या आठ रन का स्कोर चिंता का विषय नहीं है। असल चिंता इसकी है कि इसके लिए उन्होंने कुल 34 गेंदें खेल डाली। आईपीएल में भी रिंकू को 15 मैचों में कुल 113 गेंद ही खेलने को मिली थी यानी प्रति मैच 7.5 गेंद। एक फिनिशर के तौर पर रिंकू को हर पारी में करीब दस ही गेंद मिल सकती है। इससे शायद उनके आत्मविश्वास पर असर पड़ा है। क्योंकि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि वह आक्रामक खेलें या सहायक की भूमिका में रहें।

तिलक-अक्षर पूरे करेंगे पांच सौ रन

तिलक और अक्षर पांच बनाने वाले भारतीयों के क्लब में शामिल होने से क्रमशः चार और दो रन दूर हैं। तिलक 19 मैचों में 41.33 की औसत से 496 रन बना चुके हैं। वही अक्षर ने 65 मुकाबलों में 19.92 की औसत से 498 रन बनाए हैं।

टीम के लिए लकी है यह स्टेडियम

भारत के लिए वांडरर्स हमेशा से भाग्यशाली रहा है। उसने 2007 में पाकिस्तान को हराकर यहीं पर अपना पहला टी-20 विश्व कप जीता था। एक साल पहले पिछली टी-20 सीरीज में कप्तान सूर्यकुमार ने शतक जमाकर टीम को जीत दिलाई थी। अब वह सीरीज जीतकर ही लौटना चाहेंगे। पिछली बार बारिश के चलते सीरीज एक-एक से बराबरी पर छूटी थी।

सूर्य का बल्ला खामोश

सूर्यकुमार का बल्ला खामोश है। दुनिया के विस्फोटक बल्लेबाजों में शुमार सूर्य (21,4,1) तीन मैच में 8.66 की औसत से मात्र 26 रन बना पाए हैं। वह रन बनाने के लिए जूझते नजर आ रहे हैं। इस निर्णायक मुकाबले में मुंबई का यह बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने को बेताब होगा।

वरुण की चल रही फिरकी

वरुण चक्रवर्ती की वापसी यादगार रही है। वह अपनी घूमती गेंदों पर बल्लेबाजों को खूब नचा रहे हैं। उन्होंने पूरी सीरीज में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। वह एक द्विपक्षीय सीरीज में दस या उससे अधिक विकेट लेने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। पेसर अर्शदीप ने भी तीसरे मैच में अपनी रफ्तार से विरोधियों को खूब तंग किया।

12 साल से यहां हारी नहीं टीम इंडिया

टीम इंडिया वांडरर्स के इस स्टेडियम में 12 साल से कोई मुकाबला हारी नहीं है। उसे पिछली हार मार्च 2012 में महेंद्र सिंह धौनी की कप्तानी में मिली थी। उसके बाद से टीम ने दो मैच खेले और जीत दर्ज की। सूर्य दिसंबर 2023 में यहां खेले गए पिछले मुकाबले में शतक जड़कर टीम को जीत दिलाई थी। टीम ने यहां छह मुकाबले चार खेले हैं जिसमें से चार जीते और दो हारे हैं।

15 माह से कोई सीरीज नहीं गंवाई

भारतीय टीम ने पिछले 15 महीने से कोई सीरीज नहीं गंवाई है। उसने पिछली सीरीज अगस्त 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ उसकी सरजमीं पर हारी थी। पांच मैचों की सीरीज में उसे 3-2 से शिकस्त मिली थी। उसके बाद भारतीय युवा ब्रिगेड ने सात द्विपक्षीय सीरीज खेली। इसमें से छह जीती। वहीं दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज एक-एक से बराबरी पर छूटी।

फिर पलटवार को तैयार द. अफ्रीकी

मेजबान टीम पलटवार की तैयारी में होगी। पहले मैच में हार के बाद उन्होंने दूसरे की वापसी की थी। बुधवार को भी 219 रन की लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम जीत के करीब पहुंच गई थी। मार्को यानसेन ने तूफानी अर्धशतकीय पारी खेली। क्लासेन ने भी फॉर्म में वापसी के संकेत दे दिया हैं। टीम को कप्तान मार्कराम, रीजा, स्टब्स के साथ ही डेविड मिलर से भी बड़ी पारी की उम्मीद होगी।

सूर्या के भरोसे पर तिलक ने खरा उतरकर दिखाया

एजेंसी | सेंचुरियन

दक्षिण अफीका के खिलाफ तीसरे टी-20 में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने बल्लेबाजी स्थान (तीसरा क्रम) का त्याग करते हुए वहां तिलक को खेलने का मौका दिया। उन्होंने तिलक से कहा, जाओ खुद को साबित करो। और तिलक ने भी उन्हें निराश नहीं किया। बुधवार को तिलक ने कप्तान के भरोसे और उनके दिए मौके को भुनाते हुए शानदार शतक जड़ा। शतक पूरा करने के बाद उन्होंने डगआउट में देखते हुए सूर्या के प्रति आभार जताया।

'सूर्या ने मुझे तीसरे नंबर पर खेलने का मौका दिया'

तिलक ने मैच के बाद मीडिया से कहा, सूर्या ने मुझे तीसरे नंबर पर खेलने का मौका दिया। मुझे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना पसंद है लेकिन मैं पिछले दो मैचों में चौथे नंबर पर उतरा। तीसरे स्थान पर खेलने का आग्रह करने पर सूर्या ने मुझसे कहा, यह तुम्हारे लिए अच्छा मौका है। मैंने उनसे कहा कि इस भरोसे पर मैं खरा उतरकर दिखाऊंगा। तिलक की 107 रन की आतिशी पारी खेलकर जीत की नींव रखने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ तिलक दक्षिण अफीका में सबसे कम उम्र में टी-20 शतक जड़ने वाले खिलाड़ी भी बन गए।

श्रीलंका की जीत में चमके कुसल और फर्नांडो

एजेंसी | दांबुला

कुसल मेंडिस (143) की करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी और अविष्का फर्नांडो (100) के सैकड़े से श्रीलंका ने वर्षाबाधित पहले वनडे में न्यूजीलैंड को डकवर्थ लुईस पद्धति से 45 रन से पराजित किया। इस जीत से श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। कुसल और फर्नांडो ने दूसरे विकेट के लिए 206 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की। श्रीलंका ने 49.2 ओवर में पांच विकेट पर 324 रन बनाए थे तब बारिश होने लगी। चरित असलंका ने 40 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड को 27 ओवर में 221 रन का संशोधित लक्ष्य मिला और टीम नौ विकेट पर 175 रन ही बना पाई।

फुटबॉलर फुर्लान का टेनिस पदार्पण निराशानजक रहा

एजेंसी | मोंटे वीडियो

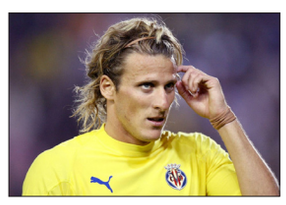

पूर्व फुटबॉलर उरुग्वे के डिएगो फुर्लान ने आखिरकार टेनिस प्रोफेशनल बनने का अपना सपना पूरा कर लिया। हालांकि उनका पदार्पण अच्छा नहीं रहा। 45 वर्षीय फुर्लान ने उरुग्वे ओपन में अर्जेंटीना के फ्रेट्रिको कोरिया के साथ युगल में चुनौती पेश की। इस जोड़ी को टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड दिया गया था लेकिन उन्हें पहले दौर में ही बोरिस अराइस और फ्रेड्रिको जेबालोस ने 6-1, 6-2 से हराकर बाहर कर दिया। उरुग्वे के इस स्ट्राइकर ने 2019 में फुटबॉल से संन्यास ले लिया था।

सिंधु की हार के साथ भारतीय चुनौती खत्म

एजेंसी | कुमामोतो

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु का खराब दौर जारी है। सत्र में आठवां मौका है जब वह दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाईं। दुनिया की 20वें नंबर की खिलाड़ी सिंधु को गुरुवार को जापान ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में कनाडा की मिशेल ली के हाथों ने एक घंटे 15 मिनट तक चले मुकाबले में 21-17, 16-21, 17-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

'बिग बॉस 18' में आएंगी कार्दशियन बहनें

छोटे पर्दे का सबसे चर्चित और विवादित रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 18वें सीजन को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। सलमान खान इस शो की मेजबानी कर रहे हैं। शो में तरह-तरह के ट्विस्ट और टर्न देखने को मिल रहे हैं। अब खबर आ रही है कि 'बिग बॉस 18' के निर्माताओं ने शो की TRP बढ़ाने के लिए 3 हसीनाओं से संपर्क किया है। ये हसीनाएं और कोई नहीं, बल्कि कार्दशियन बहनें किम, काइली और केंडल हैं।

निर्माताओं ने किया संपर्क

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'बिग बॉस' के निर्माताओं ने कार्दशियन बहनों (किम कार्दशियन, काइली जेनर और केंडल जेनर) को इस सीजन का हिस्सा बनने के लिए संपर्क किया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन बहनों की तिकड़ी इस दिसंबर में 'बिग बॉस 18' के घर में कदम रख सकती हैं। कहा जा रहा है कि तीनों बहनें इस शो का हिस्सा बनने के लिए काफी उत्सुक हैं। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

'बिग बॉस 18' में नजर आ रहे ये सितारे

'बिग बॉस 18' के घर में अभी विवियन डीसेना, करण वीर मेहरा, शिल्पा शिरोडकर, चाहत पांडे, रजत दलाल, तजिंदर बग्गा, श्रुतिका अर्जुन, चुम दारंग, अविनाश मिश्रा, ईशा सिंह, ऐलिस कौशिक, सारा अरफीन खान, कशिश कपूर और दिग्विजय सिंह राठी जैसे सितारे नजर आ रहे हैं। इस सप्ताह घर से बेघर होने के लिए तजिंदर, श्रुतिका, रजत, दिग्विजय, करण, कशिश और दरांग को नॉमिनेट किया गया है। 'बिग बॉस 18' को आप जियो सिनेमा पर देख सकते हैं।

जया बच्चन की फिल्म 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' का ऐलान

दिग्गज अभिनेत्री और समाजवादी पार्टी से राज्यसभा सांसद जया बच्चन को पिछली बार आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में देखा गया था। इस फिल्म में उन्होंने पहली बार नकारात्मक किरदार निभाया था और चारों तरफ उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई। यह फिल्म OTT प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। अब जया की नई फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' रखा गया है।

फिल्म की शूटिंग शुरू

'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' के निर्देशन की कमान विकास बहल ने संभाली है, जिन्हें 'क्वीन' और 'शैतान' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। सिद्धांत चतुर्वेदी, स्वानंद किरकिरे और वामिका गब्बी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें जया समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' की शूटिंग गोवा में शुरू हो चुकी है। यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आर माधवन की फिल्म 'हिसाब बराबर' पहुंची IFFI

अभिनेता आर माधवन को पिछली बार फिल्म 'शैतान' में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई। महज 65 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने भारत में 211 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। पिछले कुछ समय से माधवन अपनी आगामी फिल्म 'हिसाब बराबर' को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान अश्विनी धीर ने संभाली है। इस फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर 55वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (IFFI) गोवा में होने वाला है। 'हिसाब बराबर' को 26 नवंबर, 2024 को शाम 5:45 बजे इस महोत्सव में दिखाया जाएगा। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव ने इस खबर की जानकारी देते हुए लिखा, '55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में अश्विनी धीर द्वारा निर्देशित फिल्म 'हिसाब बराबर' के विश्व प्रीमियर के लिए हमसे जुड़ें।' काम के मोर्चे पर बात करें तो माधवन इन दिनों फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म 1 माई, 2025 को सिनेमाघरों मे रिलीज होगी।

प्रतीक गांधी की नई फिल्म 'अग्नि' का ऐलान

बॉलीवुड अभिनेता प्रतीक गांधी पिछल बार फिल्म 'डेढ़ बीघा जमीन' में नजर आए थे, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। यह फिल्म जियो सिनेमा पर उपलब्ध है। अब प्रतीक ने अपनी नई फिल्म 'अग्नि' का ऐलान कर दिया है, जिसके निर्देशन की कमान शाहरुख खान की फिल्म 'रईस' के निर्देशक राहुल ढोलकिया ने संभाली है। 'अग्नि' की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। इसके साथ निर्माताओं ने फिल्म का टीजर भी जारी कर दिया है। प्रतीक के अलावा 'अग्नि' में दिव्येंदु और जीतेंद्र जोशी जैसे कलाकार भी अभिनय करते नजर आएंगे। सई ताम्हणकर और सैयामी खेर भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं। फरहान अख्तर इसके निर्माता हैं। निर्माताओं ने टीजर साझा करते हुए लिखा, 'ज्वाला में जो जीते हैं, वो अमर हो जाते हैं।'

'स्क्विड गेम 2' का नया पोस्टर आया सामने

कोरियन थ्रिलर वेब सीरीज 'स्क्विड गेम' का दूसरा सीजन दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अब तक इस सीरीज के कई टीजर रिलीज हो चके हैं। अब निर्माताओं ने 'स्क्विड गेम 2' का नया पोस्टर साझा किया है, जिसमें तमाम सितारों की झलक दिख रही है। इस पोस्टर को देख प्रशंसक वेब सीरीज के लिए काफी उत्साहित हो गए हैं। 'स्क्विड गेम 2' का प्रीमियर 26 दिसंबर, 2024 से OTT प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है। 'स्क्विड गेम' पैसे की तंगी से जूझ रहे व्यक्तियों की कहानी है, जो बच्चों के खेल में बड़ी रकम जीतने के मौके के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं, लेकिन हारने वालों के लिए मौत ही एकमात्र विकल्प है। बता दें 'स्क्विड गेम' का पहला सीजन साल 2021 में आया था और इसे दर्शकों का खूब प्यार मिला, वहीं इसका तीसरा सीजन 2025 में आएगा।

छोटी पार्टियां करेंगी बड़ा खेल

ग्राउंड रिपोर्ट
धीरज सिंह

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में मुख्य मुकाबला महायुति (भाजपा, शिवसेना-शिंदे गुट, और एनसीपी-अजीत पवार गुट) और महाविकास अघाड़ी (कांग्रेस, शिवसेना-उद्धव गुट, और एनसीपी-शरद पवार गुट) के बीच माना जा रहा है। लेकिन छोटे क्षेत्रीय दल भी इन दोनों बड़े गठबंधनों का खेल बिगाड़ सकते हैं। इन दलों का भले ही पूरे राज्य में सीमित प्रभाव हो, लेकिन ये क्षेत्रीय और जातिगत आधार पर अपने इलाकों में अच्छी पकड़ रखते हैं, जिससे ये कई सीटों पर उलटफेर की स्थिति बना सकते हैं।

वबिआ का क्या होगा असर?

एक और छोटी पार्टी वंचित बहुजन अघाड़ी की शुरुआत 2018 में हुई थी और पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में अपना चुनावी सफर शुरू किया। इस चुनाव में वीबीए ने एआईएमआईएम के साथ गठबंधन किया और 14% वोट शेयर हासिल किया, लेकिन एक भी सीट नहीं जीत पाई। 2024 के इस चुनाव में वीबीए ने 181 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं और कई अन्य गैर-वीबीए उम्मीदवारों का समर्थन किया है। समाजवादी पार्टी और वंचित बहुजन अघाड़ी जैसी छोटी पार्टियाँ इस चुनाव में सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों के अधिकार और समानता का मुद्दा उठा रही हैं।

यहां कुछ प्रमुख छोटी पार्टियों की चर्चा की जा सकती है

समाजवादी पार्टी : मुंबई और ठाणे क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय के बीच इसका खासा प्रभाव है। समाजवादी पार्टी का समर्थन पाने वाले उम्मीदवार महाविकास अघाड़ी और महायुति दोनों के लिए वोट कटवा साबित हो सकते हैं, जिससे सीटों पर करीबी मुकाबला देखने को मिल सकता है।

प्रहार जनशक्ति पार्टी : इस पार्टी का प्रभाव विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्रों में है, और इसके प्रमुख नेता बच्चू कडु ने किसानों और अन्य समाज के पिछड़े वर्गों के मुद्दों को प्रमुखता दी है। यह पार्टी महायुति के लिए चिंता का विषय बन सकती है, खासकर उन इलाकों में जहां बीजेपी या शिवसेना मजबूत स्थिति में है।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) : राज ठाकरे की पार्टी का मुंबई, ठाणे और पुणे क्षेत्रों में मराठी वोटरों के बीच एक विशेष प्रभाव है। मनसे अपने परंपरागत क्षेत्रों में महाविकास अघाड़ी के वोट बैंक को प्रभावित कर सकती है, जिससे शिवसेना-उद्धव गुट की सीटों पर चुनौती बढ़ सकती है।

वंचित बहुजन अघाड़ी : दलित और अल्पसंख्यक वर्गों के वोटों पर आधारित यह पार्टी खासकर मराठवाड़ा और विदर्भ में सक्रिय है। प्रकाश अंबेडकर की यह पार्टी कांग्रेस और एनसीपी के दलित वोट बैंक में सेंध लगा सकती है, जिससे महाविकास अघाड़ी का वोट प्रतिशत कम हो सकता है।

किसान संगठन : महाराष्ट्र में किसान आंदोलनों और ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय कई संगठन अपने उम्मीदवार मैदान में उतार रहे हैं। ये संगठन मुख्यतः विदर्भ, मराठवाड़ा और पश्चिमी महाराष्ट्र में सक्रिय हैं और महायुति और महाविकास अघाड़ी दोनों के लिए वोट बैंक में कमी कर सकते हैं।

क्या है MNS का रोल?

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) 2024 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर से सक्रिय नजर आ रही है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में मनसे का राजनीतिक प्रभाव घटा है और 2014 के बाद से पार्टी ने बड़े स्तर पर सीटें नहीं जीती हैं, लेकिन इस बार पार्टी प्रमुख राज ठाकरे ने 128 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। इनमें से 25 उम्मीदवार मुंबई से हैं, जो कि मनसे का परंपरागत गढ़ रहा है। दिलचस्प बात यह है कि राज ठाकरे ने भाजपा के खिलाफ 70 उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि पिछले कुछ समय से उनके भाजपा के प्रति सकारात्मक संकेत देखे गए हैं। यह रणनीति भाजपा को नुकसान पहुंचाने और मनसे के लिए स्वतंत्र वोट बैंक बनाने के उद्देश्य से हो सकती है। इस बार राज ठाकरे उन क्षेत्रों में भी उम्मीदवार खड़े कर रहे हैं जहां भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) मजबूत माने जाते हैं, जिससे महायुति के कुछ वोट कट सकते हैं। इस बार का चुनाव मनसे के लिए एक बड़ा अवसर है, क्योंकि राज ठाकरे की आक्रामक शैली और स्थानीय मुद्दों पर उनकी पकड़ अभी भी मुंबई, ठाणे और पुणे जैसे इलाकों में जनता के बीच अपील रखती है। यदि मनसे सफलतापूर्वक इन क्षेत्रों में वोट बैंक को अपने पक्ष में कर लेती है, तो यह महाविकास अघाड़ी और महायुति दोनों के लिए एक चुनौतीपूर्ण स्थिति बना सकती है।

सपा बिगाड़ेगी समीकरण

महाराष्ट्र चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) और वंचित बहुजन अघाड़ी (वबा) जैसी क्षेत्रीय पार्टियां अहम भूमिका निभा रही हैं। समाजवादी पार्टी, जिसका प्रभाव मुख्यत: मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में है, इस बार महाविकास अघाड़ी का समर्थन कर रही है। हालांकि सपा को केवल दो सीटें - मनखुर्द शिवाजी नगर और बांद्रा पश्चिम - दी गई हैं, फिर भी उसने मुंबई के मुस्लिम-बहुल इलाकों और ठाणे में महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया है। समाजवादी पार्टी के कुल तीन विधायक मुंबई और ठाणे क्षेत्रों से हैं, जो सपा की स्थानीय पकड़ को दर्शाता है। महाविकास अघाड़ी में सीमित सीटें मिलने के बावजूद सपा की उपस्थिति उन इलाकों में महाविकास अघाड़ी के समर्थन को मजबूत कर सकती है, जहां भाजपा और महायुति के खिलाफ विपक्षी गठबंधन की आवश्यकता है। वंचित बहुजन अघाड़ी, जो दलित और अल्पसंख्यक मतदाताओं में अपील रखती है, भी इस चुनाव में महाविकास अघाड़ी और महायुति दोनों के लिए एक चुनौती बन सकती है। प्रकाश अंबेडकर की वबा विशेषकर मराठवाड़ा और विदर्भ क्षेत्रों में कांग्रेस-एनसीपी के वोट बैंक में सेंध लगा सकती है, जिससे कई सीटों पर मुकाबला और भी रोचक हो सकता है।

ओवैसी की पार्टी करेगी खेल

इसके अलावा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन भी इस बार चुनावी दौड़ में है। एआईएमआईएम मुस्लिम समुदाय के मुद्दों को उठाने वाली पार्टी है, जो शहरी इलाकों में खास तौर पर प्रभावी है। पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने अपने भाषणों से एक खास वर्ग को आकर्षित किया है। एआईएमआईएम ने 2014 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अपनी किस्मत आजमाई थी और 24 सीटों पर चुनाव लड़ा था। एआईएमआईएम इस बार महाराष्ट्र में 16 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जो अब तक की सबसे कम सीटों पर चुनाव लड़ने का पार्टी का फैसला है।

परिवर्तन महाशक्ति महाराष्ट्र

इसके साथ ही परिवर्तन महाशक्ति महाराष्ट्र चुनाव में अब तक के सबसे बड़े मोर्चों में से एक है। पूर्व सांसद राजू शेट्टी के नेतृत्व वाले इस गठबंधन में स्वाभिमानी पार्टी, संभाजी छत्रपति की छत्रपति महाराष्ट्र स्वराज पार्टी और विधायक बच्चू कडू की प्रहार जनशक्ति शामिल है। यह गठबंधन 288 में से 121 सीटों पर चुनावी मैदान में उतरा है। राजू शेट्टी का राजनीतिक प्रभाव खास तौर पर हातकंगले, कपूर और अचलपुर में देखने को मिलता है। इन इलाकों में उनकी पकड़ काफी मजबूत मानी जाती है। बटुकू प्रहार अपनी पार्टी प्रहार जनशक्ति के नेतृत्व में चुनावी मैदान में हैं।

किसे होगा नफा-नुकसान?

अगर छोटी पार्टियों से होने वाले नफा-नुकसान की बात करें तो सबसे ज्यादा चिंता महाविकास अघाड़ी को है। इन पार्टियों के उभरने से एमवीए को ओबीसी, दलित, मुस्लिम और अन्य समुदायों में अपनी पकड़ बनाए रखने में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, महायुति को एमएनएस और समाजवादी पार्टी जैसी पार्टियों से भी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। फिलहाल राज्य में 20 नवंबर को मतदान है और 23 नवंबर को नतीजे घोषित होने हैं। देखना दिलचस्प होगा कि इन छोटी पार्टियों का जनता पर कितना असर होता है।

अजय चौधरी लगाएंगे जीत की हैट्रिक या बाला नंदगांवकर की होगी विजय

कांटे की टक्कर
अमित बृज

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 शिवडी सीट पर शिवसेना (UBT) के अजय चौधरी और मनसे के बाला नंदगांवकर के बीच कांटे की टक्कर है। पुराना रिकॉर्ड देखें तो अजय चौधरी का पलड़ा भारी नजर आता है, लेकिन 2019 विधानसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र की पार्टियों में जो फूट हुई है, उससे समीकरण बदले हैं। ऐसे में बाला नंदगांवकर के पास भी जीत हासिल करने का मौका है। बाला नंदगांवकर 2009 में इस सीट से विधायक बने थे। इसके बाद से यहां शिवसेना के अजय चौधरी का कब्जा है।

शिवडी सीट से जुड़े आंकड़े

शिवडी में 2519586 मतदाता हैं, जिनमें 1355982 पुरुष और 1163374 महिलाएं हैं। यहां 230 थर्ड जेंडर मतदाता भी हैं। चुनाव आयुक्त के अनुसार, शिवडी में 263 मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

शिवडी का चुनावी इतिहास

2019 के विधानसभा चुनावों में, शिवसेना उम्मीदवार अजय विनायक चौधरी ने 39337 मतों के अंतर से शिवडी सीट जीती थी। 2019 के विधानसभा चुनावों में शिवडी निर्वाचन क्षेत्र में 274503 पंजीकृत मतदाता थे, लेकिन केवल 131353 वोट पड़े थे। कुल 47.9% मतदान हुआ था। इससे पहले 2014 में भी शिवसेना के अजय चौधरी की जीत हुई थी। 2009 में मनसे के बाला नंदगांवकर विधायक बने थे। वहीं, 2004 में एनसीपी के दुर्रानी अब्दुल्ला खान को जीत मिली थी। इससे पहले 1990 से 1999 तक शिवसेना के लहें हरिभाउ विठलराव यहां से विधायक बने। 1978 और 1980 में यह सीट कांग्रेस के खाते में गई थी।

2019 विधानसभा चुनावों में क्या हुआ था?

अक्टूबर 2019 में हुए महाराष्ट्र के पिछले विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने सरकार बनाने के लिए बहुमत हासिल किया था, लेकिन गठबंधन में दरार के कारण उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने एनडीए छोड़ दिया और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के साथ हाथ मिलाकर एक नया गठबंधन, महा विकास अघाड़ी बनाया। इस गठबंधन ने सरकार बनाई और उद्धव मुख्यमंत्री बने। हालांकि, कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। 2022 में शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने 40 विधायकों के साथ उद्धव के नेतृत्व वाली पार्टी छोड़ दी और भाजपा से हाथ मिला लिया, जिससे एमवीए सरकार गिर गई और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और भाजपा के महायुति गठबंधन की सरकार बन गई। शिंदे को मुख्यमंत्री चुना गया। एक साल बाद, अजित पवार ने भी शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के खिलाफ बगावत कर दी। वह पार्टी के कई सदस्यों के साथ, महायुति में शामिल हो गए, जिससे राज्य के भीतर दो बड़े गुट बन गए। पहला है एमवीए, जिसमें शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (एसपी), कांग्रेस शामिल हैं, और दूसरा है महायुति, जिसमें भाजपा, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी शामिल हैं।

विधानसभा चुनाव 2019

उम्मीदवार	दल	#वोट	%वोट
अजय विनायक चौधरी	एसएचएस	77687	57.3
संतोष रघुनाथ नलावडे	मनसे	38350	28.31
उदय विट्ठल फणसेकर	कांग्रेस	13368	9.9
नोटा	नोटा	4308	3.2

विधानसभा चुनाव 2014

उम्मीदवार	दल	#वोट	%वोट
अजय विनायक चौधरी	एसएचएस	72462	49.27
बाला नंदगांवकर	मनसे	30553	20.78
शलाका साल्वी	भाजपा	21921	14.91
जमसुतकर मनोज पांडुरंग	कांग्रेस	12732	8.66
नंदकुमार काटकर	राकांपा	5269	3.59
इनमे से कोई भी नहीं	नोटा	1816	1.24